DBD
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

दो बजे दोपहर

देशभर में प्रकाश पर्व दीपावली की तैयारियां पूरे उत्साह और उमंग के साथ जारी हैं। कार्तिक माह की अमावस्या तिथि को दीपावली मनाए जाने का विधान है। एक तरफ मुंबई समेत पूरे देश के लोग दिवाली की तैयारियों में व्यस्त हैं, वहीं दूसरी ओर महापर्व की तिथि को लेकर लोगों में असमंजस भी है। इस बार दिवाली की तिथि को लेकर ज्योतिषियों की राय अलग-अलग है। कुछ ज्योतिषियों के अनुसार दिवाली 1 नवंबर को मनाई जानी चाहिए, जबकि कुछ का मानना है कि पर्व 31 अक्टूबर को ही मनाया जाना चाहिए। ज्योतिषियों के एकमत नहीं होने से उत्तर प्रदेश, बिहार समेत कई राज्यों 31 अक्टूबर को दिवाली मनाई गई। वहीं, महाराष्ट्र में दिवाली और चोपड़ा पूज़न 1 नवंबर को मनाया जाएगा, जिससे लोग भ्रमित हैं। आपको बताते चले कि रोशनी का यह त्यौहार देश के हर हिस्से में एक ही तरह से नहीं मनाया जाता। विशाल भारत केअलग-अलग राज्यों में दिवाली को लेकर अलग-अलग परंपराएं है। आइए जानते हैं, कुछ ऐसे रोचक तथ्य जो दिवाली को ख़ास बनाते हैं।

आज भी मनाई जाएगी दिवाली

31 अक्टूबर को देश भर में रही दिवाली की धूम

1 नंवबर को लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त	लक्ष्मी पूजा मुहूर्त	अवधि	प्रदोष काल	वृषभ काल
	शाम 05.36 से 06.16	41 मिनट	शाम 05.36 से 08.11	शाम 06.20 से 08.15

उत्तर भारत

उत्तर भारत में दिवाली को भगवान राम के अयोध्या वापसी के स्वागत में मनाया जाता है। लोग अपने घरों को दीयों और रंगोली से सजाते हैं, नए कपड़े पहनते हैं और मिठाइयां बांटते हैं। दिवाली की रात को, लोग देवी लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करते हैं और धन की देवी से आशीर्वाद मांगते हैं।

पूर्वी भारत

पूर्वी भारत, विशेषकर बंगाल में दिवाली का त्योहार काली पूजा के साथ अत्यंत धूमधाम से मनाया जाता है। यह पर्व केवल प्रकाश का त्योहार ही नहीं, बल्कि शक्ति और विनाश की देवी, मां काली की आराधना का पावन अवसर भी है। माना जाता है कि देवी काली बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक हैं। बता दें, काली पूजा बंगाली संस्कृति का एक अभिन्न अंग है।

दक्षिण के रंग निराले

उत्तर भारत से अलग दक्षिण भारत में दीपावली मनाने का कारण और मान्यताएं अलग हैं। यहां दीपावली को नरक चतुर्दशी के रूप में मनाया जाता है। दक्षिण भारत में कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी से दीपावली उत्सव आरंभ हो जाता है। उस दिन लोग सूर्योदय के पहले सुबह-सुबह तेल और उबटन लगाकर स्नान कर लेते हैं, क्योंकि अगले दिन अमावस्या होती है और उस दिन सिर में तेल लगाकर स्नान नहीं किया जा सकता है। इस तरह तमिल लोगों के लिए दीपावली का जश्न सुबह-सुबह तेल लगाकर स्नान करने से शुरू होता है।

पश्चिम भारत की दीपावली

पश्चिम भारत की बात करें, तो खासतौर से गुजरात में दिवाली को नए साल के रूप में मनाया जाता है। इस दौरान लोग अपने घरों को साफ करते हैं, नए कपड़े खरीदते हैं और नए साल का स्वागत करते हैं। गुजरात में, दिवाली के दौरान पतंग उड़ाना एक लोकप्रिय परंपरा बनी हुई है।

अपना राज्य, अपना अंदाज

वाराणसी की देव दीपावली

वाराणसी में देवताओं की दिवाली मनाई जाती है, जिसे देव दीपावली के नाम से जाना जाता है। भक्तों का मानना है कि इस दौरान देवी-देवता गंगा में डुबकी लगाने के लिए धरती पर आते हैं। गंगा नदी में प्रार्थना और दीये की जलाएं जाते हैं। और दीपों और रंगोली से सजे किनारे बेहद मंत्रमुग्ध कर देने वाले लगते हैं। देव दीपावली कार्तिक मास की पूर्णिमा में आती है।

महाराष्ट्र : 'वासु बरस' की रस्म

महाराष्ट्र में दिवाली की शुरुआत 'वासु बरस' की रस्म से होती है जो गायों के लिए होती है। प्राचीन चिकित्सक धन्वंतरि को श्रद्धांजलि देने के लिए लोग धनतेरस मनाते हैं। दिवाली के अवसर पर, महाराष्ट्रीयन देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं और पति और पत्नी के प्यार का जश्न मनाते हुए 'दिवाली चा पड़वा' मनाते हैं।

ओडिशा कौरिया काठी

ओडिशा में, दिवाली के अवसर पर, लोग कौरिया काठी करते हैं। यह एक ऐसा अनुष्ठान है जिसमें लोग स्वर्ग में अपने पूर्वजों की पूजा करते हैं। वे अपने पूर्वजों को बुलाने और उनका आशीर्वाद लेने के लिए जूट की छड़ें जलाते हैं। दिवाली के दौरान, उड़िया देवी लक्ष्मी, भगवान गणेश और देवी काली की पूजा करते हैं।

बंगाल में काली पूजा

बंगाल में दिवाली काली पूजा या श्यामा पूजा के साथ मनाई जाती है जो रात की जाती है। देवी काली को हिबिस्कस के फूलों से सजाया जाता है और मंदिरों और घरों में पूजा की जाती है। भक्त मां काली को मिठाई, दाल, चावल और मछली भी चढ़ाते हैं। कोलकाता में दक्षिणेश्वर और कालीघाट जैसे मंदिर काली पूजा के लिए प्रसिद्ध हैं। इसके अलावा, काली पूजा से एक रात पहले, बंगाली घरों में 14 दीये जलाकर बुरी शक्ति को दूर करने के लिए भूत चतुर्दशी अनुष्ठान का पालन करते हैं।

मुंबई में कांग्रेस को झटका

पूर्व नेता विपक्ष रवि राजा बीजेपी में शामिल, एक दिन पहले दिया था इस्तीफा

अमित बृज । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बीच बीजेपी ने कांग्रेस को बड़ा झटका दिया है। मुंबई में कांग्रेस के बड़े नेता और बीएमसी में नेता विपक्ष रह चुके रवि राजा बीजेपी में शामिल हो गए हैं। रवि राजा ने एक दिन पहले 30 अक्तूबर को पार्टी से इस्तीफा दिया था। दिवाली के दिन रवि राजा देवेंद्र फडणवीस और आशीष शेलार की उपस्थिति में बीजेपी में शामिल हो गए। रवि राजा ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना इस्तीफा भेजा था। मुंबई में कांग्रेस ऐसे वक्त पर झटका लगा है जब महाराष्ट्र के विधानासभा चुनाव है और 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे।

44 साल तक कांग्रेस में रहे रवि राजा

रवि राजा कांग्रेस में 44 साल तक रहे। इस दौरान उन्हें विभिन्न पदों पर काम करने का मौका मिला। वह बीएमसी में नेता विपक्ष भी रहे। मल्लिकार्जुन खरगे को भेजे अपने इस्तीफे में रवि राजा ने लिखा है कि वह अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य, कांग्रेस पार्टी से अपनी प्राथमिक सदस्यता और राजनीतिक मामलों की समिति मुंबई के सदस्य के रूप में अपना इस्तीफा दे रहा हूं। 1980 से युवा कांग्रेस सदस्य के रूप में मैंने पार्टी की पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ सेवा की है। राजा ने लिखा था कि कांग्रेस ने 44 साल की सेवा का सम्मान नहीं किया गया है। इसलिए मैं अपने सभी पार्टी पदों से इस्तीफा देने का यह निर्णय ले रहा हूं। इसे स्वीकार करें।

फडणवीस बोले, यह शुरुआत है

रवि राजा के बीजेपी में शामिल होने के मौके पर देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह तो सिर्फ शुरुआत है। आने वाले दिनों में कांग्रेस के और नेता बीजेपी में आएंगे। महाराष्ट्र में बीजेपी सबसे ज्यादा सीटों पर लड़ रही है। इसके बाद दूसरे नंबर पर कांग्रेस है जो सौ से अधिक सीटों पर चुनाव मैदान में उतरी है। लोकसभा चुनावों में सबसे ज्यादा सीटें कांग्रेस ने जीती थीं।

बीजेपी गठबंधन में महाभारत

▸▸ राज ठाकरे के बेटे के खिलाफ अड़े शिंदे के विधायक

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। सभी राजनीतिक दल जोर शोर से चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं। इस बीच मुंबई की माहिम विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे शिवसेना विधायक सदानंद सरवणकर का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि वो हर हाल में माहिम सीट से चुनाव लड़ेंगे। सरवणकर का कहना है कि बीजेपी द्वारा MNS प्रमुख राज ठाकरे के बेटे और माहिम सीट से उम्मीदवार अमित ठाकरे को समर्थन देने के बावजूद चुनाव मैदान से नहीं हटेंगे। चुनावी मुकाबले से हटने का सवाल ही पैदा नहीं होता है। सरवणकर ने कहा कि वो हर हाल में माहिम विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे।

MNS उम्मीदवार के समर्थन में बीजेपी

दरअसल शिवसेना के सूत्रों का कहना है कि बीजेपी MNS उम्मीदवार अमित ठाकरे का समर्थन करने के पक्ष में है, जो कि पहली बार चुनावी मैदान में उतर रहे हैं। इससे पहले महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भी कहा था कि बीजेपी माहिम विधानसभा सीट पर अमित ठाकरे का समर्थन करना चाहती है। महाराष्ट्र में MNS महायुति का हिस्सा नहीं है, लेकिन लोकसभा चुनाव के दौरान राज ठाकरे की पार्टी ने सत्तारूढ़ गठबंधन का समर्थन किया था। सूत्रों का कहना है कि शिवसेना ने मुंबई की शिवडी सीट पर अपना उम्मीदवार नहीं उतारा है, जिससे शिवसेना (यूबीटी) के अजय चौधरी और MNS उम्मीदवार बाला नांदगांवकर के बीच सीधा मुकाबला होने जा रहा है। माना जा रहा है कि इससे एक तरह से MNS को मदद मिलेगी।

बागी उम्मीदवारों की समस्या हर पार्टी में, हमें उन्हें मनाना होगा : फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के डिप्टी CM देवेंद्र फडणवीस ने माना कि महाराष्ट्र विधानसभा में इस बार बागी उम्मीदवारों की संख्या बहुत अधिक है। यह समस्या हर पार्टी में है। हमें उन्हें मनाना होगा। मुंबई में 30 अक्टूबर को पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा, 'हमारी कोशिश रहेगी कि बागी नेताओं को चुनाव से हटने के लिए राजी किया जाए। जब महायुति समन्वय समिति की घोषणा हुई थी तो तीनों पार्टियों के प्रतिनिधियों ने हर विधानसभा क्षेत्र में इसी तरह की समितियां बनाईं। इन कमेटियों का मकसद था कि जिन लोगों को टिकट नहीं मिल रहा है, उन्हें बागी न होने के लिए राजी किया जा सके। हालांकि, ऐसा लगता है कि कमेटियां काम नहीं कर रही हैं।' शिवसेना और NCP में बगावत के चलते इस बार कांग्रेस, भाजपा समेत छह बड़े दल मैदान में हैं। इसी वजह से बागी भी ज्यादा हैं। राज्य की लगभग हर सीट पर बागी हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इनकी संख्या 150 से ज्यादा है। अब सबकी निगाह अब नाम वापसी की आखिरी तारीख, 4 नवंबर पर है। उसके बाद ही पता चलेगा कि लड़ाई कैसी होगी। इस बार 7,995 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है। आखिरी दिन 4,996 ने पर्चे भरे।

दोपहर एंकर : चुनाव 20 नवंबर को एक ही चरण में होंगे, मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी

चुनावी रण में एक जैसे नाम वाले निर्दलीय उम्मीदवारों से परेशान दलीय प्रत्याशी

मुनीब चौरसिया । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में उतरे निर्दलीय उम्मीदवारों ने दलीय प्रत्याशियों की बेचैनी बढ़ा दी है। कई विधानसभा क्षेत्रों में दलीय प्रत्याशियों जैसे नाम वाले निर्दलीय उम्मीदवार खड़े हो गए हैं। इससे दलीय उम्मीदवारों में बेचैनी है कि ईवीएम में एक जैसे नाम देखकर कहीं मतदाता भ्रमित न हो जाएं।

सांगली में तीन निर्दलीयों के नाम दलीय उम्मीदवारों से मिलते जुलते

सांगली जिले के तासगांव–कवठे महाकाल निर्वाचन क्षेत्र में दिवंगत एनसीपी नेता व पूर्व गृह मंत्री आरआर पाटिल के बेटे रोहित रावसाहेब पाटिल और अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के संजय काका पाटिल के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। उनके जैसे ही नाम वाले तीन और उम्मीदवार भी मैदान में हैं। इस सीट से निर्दलीय उम्मीदवार रोहित रावसाहेब पाटिल, रोहित राजगोंडा पाटिल और रोहित राजेंद्र पाटिल ने एनसीपी (शरद) को परेशान कर दिया है। पार्टियों का कहना है कि समान नाम मतदाताओं को भ्रमित कर सकते हैं और अगर जीत का अंतर कम रहा तो उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

निर्दलीय उम्मीदवार को अयोग्य घोषित करने की मांग

वहीं पुणे में वडगांव शेरी विधानसभा सीट से एनसीपी (एसपी) उम्मीदवार बापूसाहेब तुकाराम पठारे ने समान नाम वाले एक निर्दलीय उम्मीदवार को अयोग्य ठहराने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उम्मीदवार ने अधूरी जानकारी दी है। पठारे का मुकाबला अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के विधायक सुनील टिंगरे से है। अहिल्यानगरी जिले के निवासी बापू बबन पठारे ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया है। हालांकि, चुनाव अधिकारियों ने उनकी उम्मीदवारी स्वीकार कर ली है।

पार्वती सीट पर कुछ ऐसा ही हाल

पुणे की पार्वती विधानसभा सीट पर एनसीपी (सपा) नेता अश्विनी नितिन कदम भाजपा विधायक माधुरी मिसाल के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। इसी सीट पर दो और निर्दलीय उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है। इनमें से एक नाम अश्विनी नितिन कदम का है। दूसरे नाम अश्विनी विजय कदम हैं। 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के लिए चुनाव 20 नवंबर को एक ही चरण में होंगे, जबकि विधानसभा चुनाव के मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

बीजेपी विधायक पराग शाह हैं सबसे अमीर कैंडिडेट

पराग शाह की संपत्ति में हैरान कर देने वाली वृद्धि, पांच साल में 575 फीसदी बढ़ी संपत्ति

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए दाखिल नामांकन पत्रों की जांच में 700 पर्चे निरस्त किए गए हैं। नामांकन पत्रों की जांच के बाद अब नाम वापसी की प्रक्रिया शुरू होगी लेकिन महाराष्ट्र चुनावों में बीजेपी के पराग शाह सबसे अमीर कैंडिडेट बनकर उभरे हैं। 2019 में घाटकोपर ईस्ट से पहली बार जीते पराग शाह की संपत्ति में बीते पांच सालों में 575 फीसदी का इजाफा हुआ है। पराग शाह ने घाटकोपर पूर्व से दाखिल किए गए अपने नामांकन पत्र में उनकी कुल संपत्ति 3383.06 करोड़ रुपये है। पराग शाह पिछली बार 53,319 वोटों के अंतर से विजयी हुए थे।

पांच साल पहले कितनी थी संपत्ति

2019 के विधानसभा चुनावों में उन्होंने अपनी संपत्ति 550 .62 करोड़ रुपये बताई थी। पराग शाह का दावा है कि वह 50 फीसदी धन दान करते हैं। पराग शाह ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मैं एक ईमानदार उम्मीदवार हूं।यहां तक कि मेरे दुश्मनों ने भी कभी यह दावा नहीं किया कि मैं ईमानदार नहीं हूं। पराग शाह रियल एस्टेट के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वे पेशे से बिल्डर हैं। वह पूर्व में बीएमसी के पार्षद यानी नगर सेवक भी रह चुके हैं। पराग शाह ने 2017 में वार्ड संख्या 132 से जीत हासिल की थी।

खुद को क्या मानते हैं शाह

शाह ने एनडीटीवी के साथ बातचीत में कहा कि एक आदमी की संपत्ति उसका धन नहीं, बल्कि उसकी भावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि कई लोगों के पास धन होता है, लेकिन मुझे उसका सदुपयोग करने की इच्छा है। मैं मानता हूं कि भगवान ने मुझे सब कुछ दिया है, देश ने मुझे सब कुछ दिया है, इसलिए मुझे भी कुछ देना चाहिए। मैं एक नेता, एक व्यापारी और एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हूं। मैं अपनी बचत का 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सा समाज सेवा के लिए देता हूं। पराग शाह उस्मानिया विश्वविद्यालय से वाणिज्य स्नातक हैं।

मनाई गई पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि व स्वर्गीय सरदार वल्लभभाई पटेल के जयंती

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

मनपा मुख्यालय स्थित स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल सभागृह में स्वर्गीय पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि व स्वर्गीय सरदार वल्लभभाई पटेल के जयंती मनाई गई।इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी व सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रतिमा पर मनपा उपायुक्त जी. जी. गोदेपुरे के हाथ से पुष्पहार अर्पण किया गया।इसके साथ ही राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में शपथ ग्रहण भी किया गया।इस अवसर पर जनसंपर्क अधिकारी रवींद्र मांजरेकर सहित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र में 17 लाख की नकदी जब्त

• भरारी दस्ते की आधी रात की कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता लागू करने के लिए नियुक्त भरारी टीम ने आधी रात एक इनोवा गाड़ी से 17 लाख रुपये की संदिग्ध नकदी जब्त की है।इन पैसों को लेकर उपायुक्त जानकरी उपलब्ध नही हो पाने पर राशि जप्त कर ली गयी है।ठीक चुनाव के पहले की इस कार्रवाई को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। और आयकर विभाग के माध्यम से इसकी जांच चल रही है।

जांच आयकर विभाग को सौंपी गई

प्राप्त जानकारी के अनुसार 31 अक्टूबर की रात करीब 2 बजे भरारी टीम ने कल्याण से मुरबाड की ओर जा रही संदिग्ध इनोवा गाड़ी MH05 DZ9911 को जांच के लिए रोका। तो उसकी तलाशी में 17 लाख रुपये की बड़ी मात्रा में नकदी मिली। गाड़ी चालक द्वारा सही जानकरी नही दे पाने पर नगदी जब्त कर ली गयी। जब्त रकम को राजकोष में जमा करा दिया गया है और जांच आयकर विभाग को सौंप दी गई है। आयकर विभाग के जरिए इस रकम के बारे में गहन जांच चल रही है।

भरारी टीमों को किया गया नियुक्त

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण नकद एवं वित्तीय लेनदेन पर निगरानी रखने के लिए चुनाव रिटर्निंग अधिकारी एवं उपमंडल अधिकारी विजयानंद शर्मा के मार्गदर्शन में विभिन्न भरारी टीमों को नियुक्त किया गया है। भरारी टीम नं। 6 ने आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन करते हुए यह रकम बरामद करने में सफलता पायी। प्रशासन ने जनता समेत सभी प्रत्याशियों से आचार संहिता का पालन करने की अपील की है। 141 उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र के सहायक चुनाव रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय ने इस कार्रवाई की आधिकारिक जानकारी जारी की है और इस घटना ने चुनाव की पारदर्शिता पर जोर दिया है।

तलेन क्षेत्र की ग्राम पंचायत ताजीपुरा

70 प्रतिशत मुस्लिम और 30 प्रतिशत हिंदू पर आज तक नहीं हुआ कोई विवाद

रामराज ही तो है...यहां हिंदू ईद मनाते हैं तो मुस्लिम कराते हैं भंडारा

3 हजार से ज्यादा की आबादी में सभी समुदाय खुशी से मनाते हैं दीपावली और ईद

तलेन क्षेत्र की ग्राम पंचायत ताजीपुरा में हिंदू- मुस्लिम दोनों समुदाय के बीच आज तक कोई विवाद नहीं हुआ है यही एक विरली पंचायत है जहां पर 70 प्रतिशत मुस्लिम और 30 प्रतिशत हिंदू होने के बाद भी कभी विवाद की स्थिति नहीं बनी है, बल्कि सभी लोग मिलकर धर्म और आस्था का सम्मान करते नजर आते हैं। यहां पर दीपावली और शिवरात्रि में मुस्लिम परिवार साथ रहते हैं तो ईद पर हिंदू।

एजेंसी

सभी त्यौहारों को समान मानकर सभी का सम्मान करते हुए यह पंचायत जिले में अद्धितीय स्थान रखती है। इस तरह एक समुदाय का दूसरे समुदाय के प्रति समर्पण निश्चित ही रामराज्य की परिकल्पना को साकार करता है। उज्जैन के महाकाल मंदिर के बाद सबसे ज्यादा मान्यता रखने वाला शिव मंदिर तुर्कीपुरा सीका जो कि ताजीपुरा पंचायत के पास में ही स्थित है, जहां पर हर साल की तरह इस बार भी 25 अक्टूबर को शिवमंदिर पर हुए भोज में सैकडों मुस्लिम बंधुओं ने प्रसादी ग्रहण की और शिवमय होकर जयकारे लगाए। दूसरी ओर ईद का पर्व आने पर हिंदुओं द्वारा भी सभी को ईद की मुबारकबाद दी जाती है। ताजीपुरा पंचायत की खास बात यही है की यहां पर कभी हिंदू तो कभी मुस्लिम को पंचायत की सरंपची करने का अवसर प्राप्त हुआ है परंतु बिना किसी द्वेष के विकास पर विचार किया जाता है।

वर्तमान सरपंच जियाउल्लला खां बताते हैं कि हम सभी परिवार की तरह रहते हैं और आगे भी इसी तरह रहेंगे। हमारे पूर्व सरपंच चंदर सिंह भी हमारे परिवार के ही सदस्य हैं। हमें सिर्फ पंचायत के विकास की बात करना है किसी विवाद से हमारा कोई वास्ता नहीं।

दो रामायण पाठी दिन में दो रात्रि के समय रामायण का पाठ करते हैं

40 साल से नहीं टूटा अखंड रामायण पाठ का क्रम

हर आदमी प्रतिदिन देता है 1 रुपए

राजगढ़ जिले का पचोर कस्बा

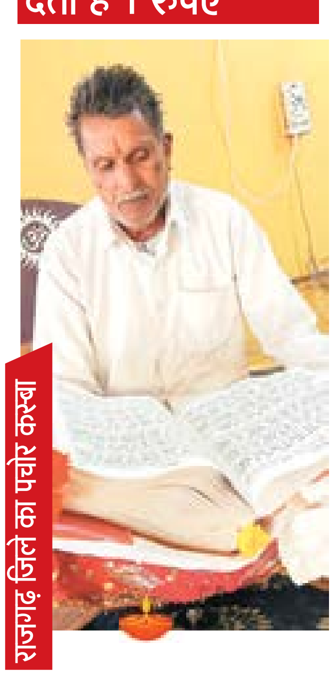

एजेंसी

राजगढ़ जिले के पचोर नगर का माहौल राममय है। यहां एक परंपरा को ग्रामीणों ने जीवित रखा है। यहां के प्राचीन शिवालय में बीते 40 वर्षों से अखंड रामायण पाठ अनवरत जारी है। भगवान भोलेनाथ के इस मंदिर में अखंड रामायण पाठ का यह क्रम 7 फरवरी 1984 से आरंभ हुआ था जिसे कभी टूटने नहीं दिया गया।

मंदिर के व्यवस्थापकों में शामिल देवेंद्र पाराशर बताते हैं कि नगर के प्रबुद्धजनों के सहयोग से अखंड रामायण पाठ करीब चार दशकों से किया जा रहा है। इसके लिए एक समिति भी गठित है। रामायण पाठ समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि अखंड रामायण पाठ के जरूरी खर्चों के लिए नगर के 365 लोगों की 1 रुपए प्रतिदिन के मान से 365 दिन की रसीद बनाई जाती है। न एक रुपया कम और न ही एक रुपए ज्यादा की रसीद काटते हैं। समिति ने चार रामायण पाठी सेवादार भी रखे हुए हैं। दो रामायण पाठी दिन में दो रामायण पाठी रात्रि के समय रामायण का पाठ करते हैं। समिति द्वारा रखे गए सेवादारों के अ ला वा नगर व क्षेत्र के अन्य श्रद्धालु भी स्वेच्छा से आकर रामायण पाठ किया करते हैं। मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य भी समय-समय पर आते हैं एवं रामायण पाठ के क्रम को कभी टूटने नहीं देते।

नर्मदापुरम के 934 गांवों में तीन गांव ऐसे हैं, जिन्हें अपराध मुक्त कहा जा सकता है। पहला है केसला खुर्द जहां कोई विवाद नहीं है। दूसरा गांव सोमलवाड़ा खुर्द है, इस गांव में भी बड़े अपराध नहीं हुए और मामले आपसी सहमति से सुलझा लिए जाते हैं। इसके अलावा डोंगरवाड़ा गांव भी इसी राह पर है जहां पिछले दो साल में एक भी मामला थाने नहीं पहुंचा।

गांव पूरी तरह से स्वच्छ गांव में पूर्ण शराब बंदी

आज भी इन गांवों में पंच परमेश्वर इसी 'परंपरा' से सुलझाते हैं विवाद

नर्मदापुरम के केसला खुर्द, सोमलवाड़ा खुर्द, डोंगरवाड़ा गांव

एजेंसी

गांव के पंच बैठकर मामलों को गांव में ही सुलझा रहे हैं। एडवोकेट गुरु प्रशांत तोमर बताते हैं कि केसला खुर्द इटारसी तहसील में आता है। यहां के लोग विवाद होने पर थाने नहीं जाते। पंच के सामने जाते है और मामला शांत हो जाता है। गांव में बातचीत के जरिए विवाद खत्म करने की यह परंपरा दादा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी करण सिंह तोमर और उनके भाई प्रेमनारायण सिंह तोमर ने शुरू की थी। अब वह अपने भाई शिवकुमार के साथ इस परंपरा को आगे बड़ा रहे है। उन्होंने बताया इटारसी कोर्ट के अपरसत्र न्यायाधीश हर्ष भदोरिया इस परंपरा को आगे बड़ाने में अहम रोल अदा कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में गांव में मीटिंग होती है। वहीं, इटारसी कोर्ट में भी वह लोगों से मिलकर अपराध से दूर रहने की समझाईश देते हैं। केसला खुर्द में 200 से ज्यादा घर हैं। यह गांव आपराधिक ही नहीं, बल्कि जमीनी झगड़ों और नागरिक अधिकारों के विवादों से भी मुक्त है। गांव में हर समय स्वच्छता का माहौल रहता है। शराब बंदी को लेकर हमारे गांव का माहौल सख्त है।

44 वर्षों से कोई बड़ा विवाद सामने नहीं आया

गुर्रा थाना व केसला ब्लॉक का सोमलवाड़ा खुर्द गांव। लगभग 2 हजार। यहां करीब 44 वर्षों से कोई बड़ा विवाद सामने नहीं आया। सरपंच राजकपूर भल्लावी ने बताया कि गांव अपराधमुक्त है। भल्लावी ने बताया गांव में कभी भी शराब बेचने नहीं दी गई है। नर्मदापुरम की सीमा से लगा हुआ डोंगरवाड़ा गांव है। डोंगरवाड़ा के युवा सरपंच माखनकीर कीर ने बताया कि पिछले दो सालों में एक भी मामला थाने नहीं पहुंचा। हम गांव में शराब नहीं बिकने देते।

घरेलू हिंसा के मामले नगण्य, गांव में न तो शराब बेची जाती है और न ही ग्रामीण करते हैं सेवन

न अपराध और न शराब, मेहमान भी पीकर आए तो स्वागत तो दूर, दरवाजे से ही उसे लौटा रहे

एजेंसी

सीहोर जिले के एक गांव बिसनखेड़ा में राम राज जैसी स्थिति है। यहां के लोग वर्षों पुरानी मान्यताओं को आज भी संजोए हुए हैं। दशकों पहले गांव में की गई शराबबंदी को यहां के लोग परंपरा मानते हुए उसका आज भी कड़ाई से पालन कर रहे हैं। मसलन, गांव में न तो शराब बेची जाती है और न ही ग्रामीणों द्वारा इसका सेवन किया जाता है। यहां तक की मेहमान भी शराब पीकर गांव में प्रवेश नहीं करते हैं। उसका स्वागत तो दूर, उसे गांव से लौटा दिया जाता है। इतना ही नहीं यहां मांस-मछली का उपयोग भी पूरी तरह से वर्जित है। शायद , यही कारण है कि गांव में घरेलू हिंसा के मामले लगभग शून्य हैं। इसके अलावा खास बात यह भी है कि दुग्ध उत्पादक दूध बेचने में भी परहेज करते हैं। घरेलू उपयोग के अलावा वह दूध का उपयोग मक्खन, मावा, घी आदि बनाने में करते हैं। ग्रामीणों में आपसी सहयोग और सौहार्द्र से इस गांव की विशिष्ट पहचान है।

गांव में कोई बीमार नहीं, सभी स्वस्थ

इछावर तहसील क्षेत्र की दुर्गपुरा पंचायत के तहत आने वाला छोटा सा गांव बिसनखेड़ा क्षेत्र में अपनी एक विशिष्ट पहचान रखता है। दरअसल, गांव में स्थित देवकावाजर बाबा के मंदिर के कारण यहां शराबबंदी के साथ ही मांस-मछली का उपयोग भी पूरी तरह से वर्जित है। यहां कोई भी व्यक्ति इन चीजों का उपयोग नहीं करता है। जो व्यक्ति नियमों का पालन नहीं करता उसे इसके गंभीर परिणाम भुगतना पड़ते हैं। गांव की चौपाल पर बैठे बुजुर्ग धन सिंह मेवाड़ा, दौलत सिंह और हुकुम सिंह ने बताया कि गांव में मांस और शराब बंदी की शुरुआत कैसे हुई इस बारे में उन्हें सही जानकारी तो नहीं है, लेकिन कुछ साल पहले कुछ लोगों ने इस रिवाज को तोड़ने का प्रयास किया था, जिसका उन्हें गंभीर परिणाम भुगतना पड़ा।

घरेलू हिंसा भी नहीं

युवा खेमसिंह मेवाड़ा, जीवन सिंह, विष्णु राजपूत का कहना है कि गांव में कोई भी व्यक्ति न किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित है और न ही किसी में कोई दिव्यांगता है। यहां तक की घरेलू हिंसा और अपराधिक मामले भी लगभग न के बराबर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इसे मानने के लिए किसी समुदाय अथवा पंचायत की कोई बाध्यता नहीं है लेकिन बावजूद इसके सभी लोग अपनी स्वेच्छा से इसका पालन कर रहे हैं।

DBD
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

दो बजे दोपहर

दिवाली पर फूल व्यापारियों की बल्ले-बल्ले

- 100 रुपए किलो तक बिका गेंदा
- कमल की रही भारी डिमांड

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

दीपावली का पर्व इस बार फूलों का व्यापार करने वालों के लिए खुशियां लेकर आया है। गुरुवार को दीपावली पर्व को लेकर फूलों का बाजार सजा रहा। दीपोत्सव पर फूलों की कीमत में दो से तीन गुना तक का उछाल आने से फूल व्यापारियों ने दिनभर जमकर चांदी काटी। दिवाली से पहले 40 रुपए किलो बिकने वाला गेंदा फूल 100 रुपए किलो के भाव पर बिका। वहीं, कमल का फूल 60 से 80 रुपए प्रति पीस बिका। अच्छी बिक्री होने से फूल विक्रेताओं के चेहरे खिल गए। दिवाली के दिन को लेकर कंफ्यूजन होने के कारण कल भी दिवाली मनाई जानी है जिसे लेकर फूल व्यापारी काफी उत्साहित हैं। उन्हें 1 नवंबर को भी अच्छी कमाई होने की उम्मीद है। दादर फूल बाजार में गेंदा, कमल और गुलाब के फूलों की डिमांड ज्यादा होने के कारण ये महंगे दामों पर बिके। लक्ष्मी पूजन और घरों को सजाने के लिए लोगों ने जमकर फूल खरीदे।

कमल के रेट हुए हाई

दिवाली पर लोग अपने घर, दुकान आदि को सजाने के लिए फूलों का प्रयोग करते हैं। घर के द्वार पर फूलों और अशोक के पत्तों से बनी लड़ी से भी सजावट की जाती है। इसलिए सजावट के लिए फूलों की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में बाजार में फूलों के दाम तीन गुना तक बढ़ गए। गुरुवार को शहर के बाजारों में छोटा गेंदा 100 रुपए प्रति किलो व बड़ा गेंदा 150 रुपए किलो तक बिका। देवी लक्ष्मी जी का सबसे प्रिय फूल कमल का एक पीस 60 से लेकर 80 रुपए तक बिका। सफेद रंग के फूलों की कीमत भी 200 रुपए प्रति किलो हो गई। एक फूल विक्रेता करन सैनी ने बताया कि हाल में हुई बारिश से फूलों की खेती को काफी नुकसान हुआ था, जिससे थोक व खुदरा कीमतों में काफी बढ़ोतरी हुई है।

आगे भी बेहतर कारोबार की उम्मीद

एक दुकानदार नीलम सैनी ने बताया कि दीपावली और उसके बाद नवंबर और दिसंबर महीने में अत्यधिक शादियां होने से आगे भी बेहतर कारोबार की उम्मीद है। आगामी दिनों में वैवाहिक आयोजनों के चलते फूलों के भावों के रफ्तार पकड़ने की उम्मीद है। फूल बाजार में चल रहे भाव के अनुसार गेंदा का फूल 100 -150 रुपए, हजारा फूल ऑरेंज कलर 120-140 रुपए, नींबू कलर हजारा120-160 रुपए, कमल का फूल 60-80 रुपए प्रति पीस, गुलाब का फूल 20 से 35 रुपए प्रति पीस, टाटा रोज 200 से 250 रुपए तक प्रति किलो था। इसके साथ ही लक्ष्मी पूजन में उपयोग किए जाने वाले सीताफल की भी जमकर बिक्री हुई। इसके अलावा गन्ने, सिंघाड़े और केले की बिक्री में वृद्धि देखने को मिली।

भाई दूज तक रहेगी फूलों की मांग

दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज पर भी फूलों की मांग बनी रहेगी। इसे देखते हुए किसान अपने खेत में तैयार फूलों को बाजार में उपलब्ध करा रहे हैं। अच्छे भाव मिलने से किसानों के चेहरे भी खिले हुए हैं।

मनसे के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंचा उद्धव गुट

- दीपोत्सव के व्यय को अमित ठाकरे के चुनावी खर्च में जोड़ने की मांग

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

शिवसेना (उद्धव) ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) पर दादर स्थित छत्रपति शिवाजी पार्क मैदान में दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन करके आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया है। शिवसेना (उद्धव) के उपसचिव सचिन परसनाईक ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस. चोकलिंगम को पत्र लिखकर शिकायत की है। परसनाईक ने बीते 28 अक्टूबर को आयोजित दीपोत्सव कार्यक्रम पर हुए व्यय को मनसे की माहिम सीट के उम्मीदवार अमित ठाकरे के चुनावी खर्च में जोड़ने की मांग की है। उन्होंनेआचार संहिता की अवधि में शिवाजी पार्क मैदान में दीपोत्सव के आयोजन की अनुमति देने वाले मुंबई मनपा और संबधित प्राधिकरण के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग

परसनाईक ने कहा कि राज्य में विधानसभा चुनाव शुरू होने के कारण आचार संहिता लागू है। शिवाजी पार्क मैदान मुंबई मनपा के अधिकार क्षेत्र में आता है। मुंबई मनपा के अधिकारियों ने आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए शिवाजी पार्क मैदान में दीपोत्सव के आयोजन की अनुमति दी थी।

छोटा राजन गिरोह के पांच सदस्य हुए गिरफ्तार

- कारोबारी से 10 करोड़ रुपए की रंगदारी वसूलने का किया प्रयास

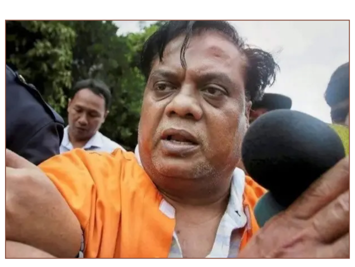

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बांद्रा से पुलिस ने छोटा राजन गिरोह के पांच सदस्यों को एक रियल एस्टेट कारोबारी और उसके साझेदार से 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी उस समय हुई जब मुंबई अपराध शाखा के वसूली निरोधक प्रकोष्ठ (एईसी) को शिकायत मिली कि गिरोह ने लगातार फोन कर रंगदारी की मांग की थी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने रियल एस्टेट कारोबारी और उसके साझेदार को धमकियां दी थीं। कारोबारी ने पहले ही 55 लाख रुपए की राशि गिरोह को दे दी थी, लेकिन गिरोह ने फिर भी और पैसे की मांग की। अधिकारी ने कहा, "मंगलवार को गिरोह के सदस्य गणेश राम शोराडी उर्फ डैनी (68), रेमी फर्नांडिस (58), प्रदीप यादव (40), मनीष भारद्वाज (44) और शशि यादव (43) ने फिर से पांच लाख रुपए मांगे।"

पैसे लेन-देन के समय गिरफ्तारी

पुलिस ने योजना बनाई और बांद्रा पश्चिम में एक निजी अस्पताल के पास पैसे के लेन-देन के समय आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जब गिरोह के सदस्य पैसे लेने पहुंचे, तब एईसी की टीम ने उन्हें पकड़ लिया। अधिकारियों ने बताया कि रंगदारी मांगे जाने की पुष्टि के बाद आरोपियों को हिरासत में लिया गया और बांद्रा थाने में मामला दर्ज किया गया है।

गणेश शोराडी का आपराधिक इतिहास

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से गणेश शोराडी का आपराधिक इतिहास है। उसके खिलाफ हत्या, हत्या की कोशिश और शस्त्र अधिनियम के तहत कई मामले पहले से ही दर्ज हैं। पुलिस अब इस मामले की गहन जांच कर रही है ताकि अन्य सदस्यों और गिरोह के संभावित गतिविधियों का पता लगाया जा सके। पुलिस की इस कार्रवाई से यह स्पष्ट होता है कि वे संगठित अपराध के खिलाफ गंभीर हैं।

एमबीबीएस में दाखिले के इच्छुक छात्र को मिली राहत

एनआरआई कोटे को बदलने की इजाजत

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

एमबीबीएस के दाखिले के लिए आवेदन के दौरान गलती से अनिवासी भारतीय (एनआरआई) कोटा चुन लेने वाले विद्यार्थी को हाईकोर्ट ने बड़ी राहत दी है। न्यायमूर्ति संदीप मारणे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की अवकाशकालीन खंडपीठ ने उसे सीट उपलब्ध होने परसामान्य संस्थागत कोटे के तहत दाखिले की इजाजत दे दी है। दरअसल विद्यार्थी ने 15 फीसदी संस्थागत कोटे के तहत आने वाली सीटों में से अनिवासी भारतीय का कोटा चुन लिया था। विद्यार्थी के पास खुद को एनआरआई साबित करने के लिए कोई दस्तावेज नहीं थे। यह भी साफ था कि उसने गलती से यह वर्ग चुना था क्योंकि सिर्फ 10वीं और 12वीं की मार्कशीट उपलब्ध कराने के अलावा इस कोटे के तहत उसे कोई लाभ नहीं था। जबकि उसके पास मार्कशीट उपलब्ध थी लेकिन आवेदन में हुई इस गलती को सुधारने का कोई विकल्प नहीं था। सीईटी सेल के नियमों के मुताबिक भी आवेदक अगर दूसरे कॉलेज या दूसरे विषय का चयन करे तभी वह कैटेगरी बदल सकता है।

डीजीपी को ठाणे के पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सीआईडी जांच कराने का निर्देश

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को ठाणे के पुलिस अधिकारियों के खिलाफ राज्य सीआईडी के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) रैंक के सक्षम पुलिस अधिकारी की नियुक्ति कर जांच कराने का निर्देश दिया है। ठाणे के कासारवडवली पुलिस स्टेशन के पुलिस अधिकारियों पर एक व्यापारी से इलेक्ट्रॉनिक सामान(एयर-कंडीशनर, वाटर कूलर, कंप्यूटर, एलईडी टीवी और प्रिंटर)मंगवा कर उसके बिल का भुगतान नहीं करने का आरोप है।

वकील सचिन थोरात की दायर याचिका पर सुनवाई

न्यायमूर्ति सारंग कोतवाल और न्यायमूर्ति डॉ.नीला गोखले की पीठ के समक्ष व्यापारी नैनेश मणिलाल पंचाल की ओर से वकील सचिन थोरात की दायर याचिका पर सुनवाई हुई। पीठ ने पाया कि याचिकाकर्ता द्वारा इलेक्ट्रॉनिक सामान की आपूर्ति की पुलिस आयुक्त को एक शिकायत की गई थी, जिसमें पुलिस अधिकारियों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए थे। पीठ ने कहा कि सबसे पहले यह समझना कठिन है कि किसी पुलिस स्टेशन के पुलिस अधिकारी उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना किसी निजी व्यक्ति से इतनी महंगी वस्तुएं कैसे ले सकते हैं?

पूरा मामला समझें

याचिकाकर्ता के वकील सचिन थोरात ने दावा किया कि उसने कासारवडवली पुलिस स्टेशन में व्यक्तिगत रूप से विशेष पुलिस अधिकारी को एयर-कंडीशनर, वाटर कूलर, कंप्यूटर, एलईडी टीवी और प्रिंटर की आपूर्ति की थी। उसने पैसे की मांग की, लेकिन उसका पैसा नहीं दिया गया। बाद में उसके सामान वापस कर दिए गए थे, लेकिन इस कारण से उसे 4 लाख 24 हजार 900 रुपए का नुकसान हुआ।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी दो जोड़ी अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

यात्रियों की सुविधा के लिए और आगामी त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, पश्चिम रेलवे ने उधना – भागलपुर - उज्जैन के बीच और उधना – जयनगर - रतलाम के बीच विशेष किराये पर अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी।

उधना - भागलपुर - उज्जैन और उधना - जयनगर - रतलाम के बीच अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

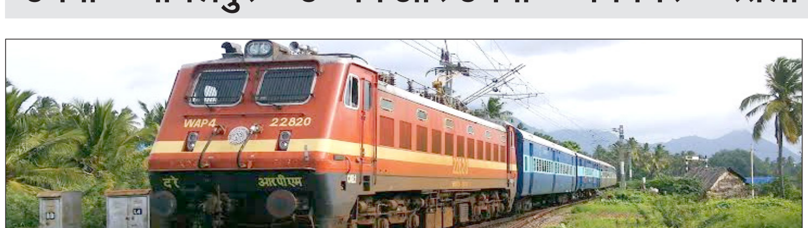

उधना – भागलपुर - उज्जैन स्पेशल

ट्रेन संख्या 09091 उधना - भागलपुर स्पेशल शुक्रवार, 1 नवंबर, 2024 को उधना से 10:10 बजे प्रस्थान करेगी और रविवार को 02:30 बजे भागलपुर पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09092 भागलपुर -उज्जैन स्पेशल रविवार, 3 नवंबर, 2024 को 05:30 बजे भागलपुर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12:30 बजे उज्जैन पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, किऊल, अभयपुर, जमालपुर और सुल्तानगंज स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09091 सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, नागदा और उज्जैन स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा। इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

उधना – जयनगर – रतलाम अनारक्षित स्पेशल

ट्रेन संख्या 09073 उधना – जयनगर स्पेशल शुक्रवार, 1 नवंबर, 2024 को 19:15 बजे उधना से रवाना होगी और रविवार को 11:30 बजे जयनगर पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09074 जयनगर – रतलाम स्पेशल रविवार, 3 नवंबर, 2024 को जयनगर से 14:30 बजे रवाना होगी और अगले दिन 23:30 बजे रतलाम पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में नागदा, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09073 का सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा और रतलाम स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा। इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

'सत्ता के लिए किसी की पार्टी तोड़ना ठीक नहीं'

- शरद पवार ने वलसे पाटिल को लताड़ा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (SP) के अध्यक्ष शरद पवार ने गुरुवार को प्रदेश सरकार के मंत्री दिलीप वलसे पाटिल निशाना साधा है। इसके अलावा पाटिल के समेत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेताओं पर सत्ता के लिए उनकी पार्टी को तोड़ने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि यह कदम ठीक नहीं था। पवार ने पार्टी कार्यकर्ताओं और अंबेगांव विधानसभा क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार देवदत्त निकम के समर्थकों को संबोधित करते हुए उन पर नेताओं पर प्रहार किया जो उन्हें छोड़कर महायुति'में शामिल हो गये थे। राकांपा (NCP) ने अंबेगांव से मौजूदा विधायक वलसे पाटिल के खिलाफ निकम को टिकट दिया है। पवार ने कहा कि राकांपा ने 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एकजुट होकर लड़ाई लड़ी और 54 सीटें जीतीं। उनका कहना था कि एमवीए सरकार बनाई और उस सरकार में जिले से अपने दो सहयोगियों को प्रतिनिधित्व दिया। एक अंबेगांव वलसे पाटिल से था और दूसरा बारामती अजीत पवार से था।

एनसीपी की कड़ी मेहनत से मिली जीत

राकांपा संस्थापक शरद पवार ने कहा कि उन्होंने पुणे जिले की इंदापुर तहसील को भी अधिक प्रतिनिधित्व दिया है। क्योंकि उनके दत्तात्रय भरणे को मंत्री पद दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह राकांपा ही थी जिसने इन नेताओं को शक्तियां दीं और पार्टी को सफलता राकांपा कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत के कारण मिली थी।

अजीत पवार पर भी साधा निशाना

पवार ने कहा कि पार्टी उस सफलता के कारण सत्ता में आई और ये लोग मंत्री बने। लेकिन हमारे कुछ साथियों को ये बात याद नहीं रही। हमारे कुछ सहयोगियों ने 54 में से 44 विधायकों को छीन लिया और दूसरे पक्ष में शामिल हो गए और राज्य में गलत छवि बनाई। वह वर्ष 2023 में अजित पवार और उनके साथी विधायकों द्वारा सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन का हिस्सा बनने के लिए भाजपा और शिवसेना के साथ जाने के बाद राकांपा में हुए विभाजन का जिक्र कर रहे थे।

मध्य रेल

E-Tender Notice No.: DRM-W-PA-E-Tend-2024-N-25 & 26 Date: - 29.10.2024

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), पुणे निम्न कार्य के लिए खुली ई निविदाएं आमंत्रित करते हैं:- **1.** पुणे मंडल में स्टेशन यार्ड और सेक्शन का प्रस्तावित ग्रेडिएंट सत्यापन (Lonavala-Pune-Daund Section) **लागत:** ₹ 16,90,543.14, **बोली सुरक्षा:** ₹ 33,800/-. **पूर्णता अवधि:** 04 माह। **रखरखाव अवधि:** 06 माह. **2.** ADEN/M/Pune के अधीन संगम पार्क ऑफिसर्स कॉलोनी में OH टैंक और UG टैंक का सुधार और संरचनाओं की मरम्मत और पेंटिंग। **लागत:** ₹ 2,00,70,938.59. **बोली सुरक्षा:** ₹ 2,50,400/-. **पूर्णता अवधि:** 06 माह. **रखरखाव अवधि:** 06 महीने. **समापन तिथि और समय: 26.11.2024** को **15.15 बजे** तक। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएं। AK-22

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

ओएचई मॉडिफिकेशन कार्य

खुली ई-निविदा संख्या: केवायएन-एलडी-585 डब्लु - 744- कांट, दिनांक 26.10.2024. कार्य का विवरण: मध्य रेलवे के मुंबई मंडल के इगतपुरी स्टेशन पर पीएफ नंबर 2/3 से पूर्व की ओर चौड़ा एफओबी 3.6 मीटर के विस्तार के संबंध में मौजूदा ओएचई में परिवर्तन। **अनुमानित लागत:** ₹ 5830597.21. **ईएमडी:** ₹116600/-. **निविदा पपत्र का शुल्क** : 0/-. **समापन अवधी:** 12 महिने। **ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथी एवं अवधि दि. 26.11.2024 को 11:00 बजे है।** ई-निविदा की विस्तृत जानकारी रेल की अधिकारीक वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा की जानकारी वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क. वि.) मध्य रेल, कल्याण के सुचना पट पर उपलब्ध है। AK-520

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

TENDER NOTICE NO. PA_MD_HHP_TSC OH_2024_25

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (डीजल), घोरपुरी, पुणे निम्नलिखित कार्य के लिए खुली निविदा आमंत्रित करता है: डीजल लोको शेड, पुणे के HHP लोकोमोटिव के TSC की ओवरहालिंग। **मात्रा:** कार्य के दायरे के अनुसार डीजल लोको शेड, पुणे में HHP लोकोमोटिव के TSC की ओवरहालिंग जिसमें आवश्यक वस्तुओं के प्रतिस्थापन और आकस्मिक मरम्मत कार्य शामिल हैं - 38 नग। **लगभग:** ₹ 8,07,12,000/-, **पूरा होने की अवधि:** 24 माह. **बयाना राशि:** ₹ 5,53,600/-, **प्रस्ताव की वैधता:** खुलने की तिथि से 90 दिन। **निविदा प्रस्तुत करना:** समापन तिथि को **15.00 बजे** तक और उसी दिन **15.30 बजे** खोला जायेगा। **समापन तिथि: 29.11.2024.** अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएं। AK-24

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

भुसावल मंडल

ई - निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सं.: BSL-L-W-T-67-2024. कार्य का विवरण : भाग ए - नासिक में नासिक गुड्स शेड के विद्युतीकरण कार्य के संबंध में 350x7 मीटर आकार के हाई लेवल पीएफ एमएल-1 की पुनः सतह बनाने, उसके ऊपर 350x12.6m साइज़ का सीओपी लाइटिंग के प्रावधान के लिए दो मौजूदा हाई मास्ट के रखरखाव के लिए पर्याप्त गैप के साथ बनाने का प्रावधान। **भाग बी** - (i) लासलगांव में गुड्स शेड की विविध मरम्मत (ii) जीएस-2 (नाशिक छोर पर) और जीएस-1 (मनमाड छोर पर) की ओर पहुंच मार्ग का प्रावधान और सर्कुलेटिंग एरिया के विकास के संबंध में विद्युतीकरण कार्य। **भाग सी** - खेरवाड़ी गुड्स शेड- सर्कुलेटिंग एरिया के विकास के संबंध में विद्युतीकरण कार्य, दो संपर्क मार्गों का सुधार और चौड़ीकरण (i) चितेगांव की ओर एक संपर्क मार्ग और (ii) चंदोरीगांव की ओर संपर्क मार्ग। पेयजल सुविधा और सीएसएमटी छोर पर दो अतिरिक्त हाई मास्ट का प्रावधान। **अनुमानित लागत** : ₹1,71,20,980. **ऑनलाईन बिड सबमिशन का अंतिम दिनांक और समय** : 21.11.2024 को 15.00 बजे। **वेबसाईट विवरण:** **www.ireps.gov.in** AK-03

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

ओवरहालिंग सहित संपूर्ण मरम्मत का कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से सीनियर डिविजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (गति शक्ति यूनिट), तीसरी मंजिल, ओल्ड एरिया मैनेजर्स बिल्डिंग, गुड्स डिपो, पीडी मेलो रोड, वाडीबंदर, मुंबई - 400010, निम्नलिखित कार्य के लिए स्थापित और प्रतिष्ठित ठेकेदारों से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से खुली ई निविदा (एक पैकेट सिस्टम) आमंत्रित करते हैं। मैन्युअल रूप से प्रस्तुत की गई निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 29.11.2024 को 15.00 बजे तक है एवं निविदा उसी दिन 15.00 बजे के बाद खोली जायेगी। ई - निविदा सूचना संख्या बीबी - ईएल जीएसयू 2024-25-02/ आर2 दिनांक 28.10.2024. कार्य का नाम:** मध्य रेलवे के मुंबई डिवीजन के नागोठाणे टीएसएस में एक नंबर 220 केवी / 27 केवी, 21.6एमवीए ट्रैक्शन पावर ट्रांसफार्मर (मैसर्स एवीवी मेक) के ख़राब हिस्सों की मरम्मत सहित संपूर्ण ओवरहालिंग का कार्य। **निविदा लागत (अनुमानित):** ₹ 15,92,646/-. **आवश्यक बोली सुरक्षा:** ₹ 31,900/-. **ऑफर की वैधता:** 60 दिन। **पूर्ण करने की अवधि:** 03 महीने मानसून सहित। निविदा का पूरा विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। पूर्ण निविदा दस्तावेज वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। AK-521

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

संपादकीय

शुभ-लाभ का उजास

आज दिवाली के पवित्र अवसर पर हम सभी सुख और समृद्धि की कामना करेंगे। अंधकार के विरुद्ध अनवरत संघर्ष के प्रतीक-स्वरूप करोड़ों दीपक जलाए जाएंगे। खुशहाली और रोशनी दोनों की नई उम्मीदों के बीच ये दिवाली आई है। राजनीतिक परिवर्तन से देश में नया वातावरण है, जिससे बाजारों की चमक बढ़ी है। वहां फिर से धन लौटा है, तो आशा बंधी है कि उससे और अधिक धन निर्मित होगा, जिससे देश अभाव को जीतने की तरफ तेजी से अग्रसर होगा।आज हम सभी गणेश और लक्ष्मी का पूजन करेंगे तो यही प्रार्थना होनी चाहिए कि समृद्धि सभी दरवाजों तक पहुंचे, जिससे सबका अभाव दूर हो। हमारी प्राचीन सभ्यता ने गणेश और लक्ष्मी के साथ-साथ पूजन की अद्भुत परिकल्पना की। गणेश विवेक के प्रतीक हैं, तो लक्ष्मी समृद्धि की देवी हैं। दोनों की एक साथ आराधना में गूढ़ संदेश निहित है। समृद्धि संपन्नता के लिए आवश्यक है। परंतु धन-दौलत की चाहत में हम अंधे हो गए, तो सुख हमसे दूर ही रहता है। इसीलिए हम गणेश की पूजा करते हैं, ताकि हमारी बुद्धि जागृत रहे। हम आज प्रकाश को दूर-दूर तक फैलाने का प्रयास करते हैं। संभवतः इस संदेश को आगे बढ़ाने के लिए कि हम सिर्फ अपनी खुशहाली से संतुष्ट न हो जाएं। बल्कि मानव कल्याण के प्रति अपने दायित्व को लेकर जागरूक रहें। धन की सार्थकता तभी है, जब उसका उपयोग वृहत्तर उद्देश्यों के लिए हो। हमारे धर्मग्रंथों ने सिखाया है कि धन की विवेकपूर्ण चाहत एवं उसका उपयोग शांति एवं प्रसन्नता की तरफ ले जाता है। जबकि विवेक खो जाए, तो फिर वही चाहत अंधी होड़ में तब्दील हो जाती है, जो चारित्रिक पतन और सामाजिक विनाश का कारण बनती है। इसीलिए आज अपने-अपने घरों में जब हम पूजा करें, तो अपने आराध्य से भौतिक सुखों के साथ-साथ संयम और संतुलित अंतर्दृष्टि की याचना भी हमें अवश्य करना चाहिए। यह दृष्टि अपने देश की मार्गदर्शक बने, तो हम अपने संसाधनों के न्यायपूर्ण बंटवारे की कला जरूर सीख लेंगे, जिसकी आज के दौर में अत्यधिक आवश्यकता है। भारत भूमि, यहां की प्रतिभाएं और हमारी उद्यम भावना धन उत्पन्न् करने में पूर्ण सक्षम हैं। इसके लिए जो अनुकूल अवसर चाहिए, वह आज हमारे क्षितिज पर हैं। हमें सुनिश्चित केवल यह करना है कि अपने श्रम और कौशल से हम जो कुछ अर्जित करें, उसका सभी देशवासियों में उचित वितरण करने की उदारता हम में आए। हमें याद रखना चाहिए कि हमारी परंपरा शुभ-लाभ कहने की है। यानी लाभ के पहले शुभ को महत्व दिया गया। दरअसल, लाभ का उद्देश्य ही शुभ है। यह बुद्धि भारतीय समाज में बनी रहे, हमें इसकी प्रार्थना करनी है। तो आज दीये जलाइए, आतिशबाजी भी कीजिए, किंतु अपने अंतर्मन को प्रकाशित करने के दिवाली में अंतर्निहित संदेशों को विस्मृत न होने दीजिए। ये संदेश ही दीपावली का अर्थ है और उसका उद्देश्य भी। तो आइए, हम सबके शुभ-लाभ की कामना करें!

शख्सियत | ऐश्वर्या राय

पूर्व मिस वर्ल्ड और बेहतरीन अदाकारा

कॉलेज के दौरान ऐश्वर्या का रुझान मॉडलिंग की ओर हुआ और जल्द ही उन्होंने कई विज्ञापनों में काम किया। 1994 में ऐश्वर्या ने 'मिस वर्ल्ड' का खिताब जीतकर भारत का नाम रोशन किया। उनकी नीली आंखें और मनमोहक मुस्कान ने पूरी दुनिया को दीवाना बना दिया। इसके बाद ऐश्वर्या का सफर बॉलीवुड की ओर मुड़ गया, जहाँ उन्होंने अपनी खूबसूरती और अभिनय से हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा ऐश्वर्या राय का जन्म 1 नवंबर 1973 को मैंगलोर, कर्नाटक में हुआ था। उनके पिता कृष्णराज राय एक मरीन इंजीनियर और मां वृंदा राय लेखिका थीं। ऐश्वर्या का बचपन पढ़ाई और संस्कारों के बीच बसा था। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा मुंबई के आर्य विद्या मंदिर से की और बाद में आर्किटेक्चर की पढ़ाई में रुचि दिखाई। हालाँकि, किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

कॉलेज के दौरान ऐश्वर्या का रुझान मॉडलिंग की ओर हुआ और जल्द ही उन्होंने कई विज्ञापनों में काम किया। 1994 में ऐश्वर्या ने 'मिस वर्ल्ड' का खिताब जीतकर भारत का नाम रोशन किया। उनकी नीली आंखें और मनमोहक मुस्कान ने पूरी दुनिया को दीवाना बना दिया। इसके बाद ऐश्वर्या का सफर बॉलीवुड की ओर मुड़ गया, जहाँ उन्होंने अपनी खूबसूरती और अभिनय से हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

ऐश्वर्या की पहली फिल्म 'और प्यार हो गया' थी, जिसमें उन्होंने बॉबी देओल के साथ अभिनय किया। हालांकि, उन्हें असली पहचान संजय लीला भंसाली की फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' से मिली, जिसमें उनके अभिनय और सलमान खान के साथ उनकी केमिस्ट्री ने सभी का दिल जीत लिया। इसके बाद 'ताल', 'देवदास', 'मोहब्बतें' जैसी फिल्मों में उनकी अदाकारी की जमकर तारीफ हुई।

ऐश्वर्या ने 2007 में अभिषेक बच्चन से शादी की, और उनकी एक प्यारी बेटी आराध्या भी है। शादी के बाद भी उन्होंने अपने करियर को जारी रखा और 'जोधा अकबर', 'गुज़ारिश', 'सरबजीत' जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय किया। ऐश्वर्या न केवल एक सफल अदाकारा हैं, बल्कि संयुक्त राष्ट्र की पर्यावरण सद्भावना दूत के रूप में भी काम कर चुकी हैं। उनकी लोकप्रियता भारत में ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी है, और कान्स फिल्म फेस्टिवल में उनका जलवा हर साल देखते ही बनता है।

ऐश्वर्या राय अपने संघर्ष, मेहनत और लगन से बॉलीवुड की शिखर पर पहुँच चुकी हैं। उनकी सुंदरता, बुद्धिमानी और अभिनय के प्रति उनकी लगन उन्हें बॉलीवुड की 'हुस्न की मल्लिका' बनाती है, और उनका यह सफर अनगिनत लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

पर्व का न हो बाजारीकरण

यह दीप-पर्व, प्रकाश महोत्सव का दौर है। उल्लास, आह्लाद, जगमगाहट का दौर दीपावली तक ही सीमित नहीं है। उसके बाद भी दीपक जलते रहते हैं। घर, दुकान, बाजार, मुहल्ले और परिवेश 'प्रकाशमय' रहते हैं। अमीर हो या गरीब हो, समाज के सभी वर्ग प्रसन्न दिखते हैं और आपस में मंगल कामनाएं पेश करते हैं। दीप-पर्व के पांचों त्योहार सिर्फ हिंदुओं या सनातन तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि प्रभु राम सभी के 'मर्यादा पुरुषोत्तम' हैं, सभी के 'आदरणीय' हैं, अधिकांश के 'आराध्य' भी हैं। चूंकि आज के दिन प्रभु श्रीराम, धर्मपत्नी सीता और अनुज लक्ष्मण के साथ, 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे, लिहाजा वहां के लोगों ने हर्षोल्लास में दीये प्रज्वलित किए थे। अयोध्या को दुल्हन की तरह सजाया था। आज उन्हीं भावनाओं को जीवंत रहने दें। प्रभु का आत्मा और भाव के साथ स्वागत करने दें। इतिहास और संदर्भों का 'व्यापारीकरण' न करें। 'धनतेरस' इस दौर का बेहद महत्वपूर्ण पर्व था। उसी का उदाहरण लेते हैं। जब सुर-असुरों के बीच सागर-मंथन किया गया था, तब भगवान धन्वंतरि भी प्रकट हुए थे। उनके चारों हाथों में-आयुर्वेद की पुस्तक, शंख, जड़ी-बूटी, अमृत कलश-धारण किए हुए थे। धन्वंतरि को 'स्वास्थ्य का देवता' और 'आयुर्वेद का जनक' माना गया। उन्हें 'देवताओं का डॉक्टर' भी कहा गया। 'धनतेरस' उन्हीं स्वास्थ्य-देव की स्मृति में मनाया जाता है। इसे 'आयुर्वेद दिवस' भी कहते हैं और 150 से ज्यादा देशों में इसी रूप में यह मनाया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने यह जानकारी देश के साथ साझा की है।

दरअसल धन्वंतरि का अर्थ है-'कष्टों का विनाश करने वाला।' चूंकि धन्वंतरि और धनतेरस में 'धन' शब्द जुड़ा है, लिहाजा कर्मकांडी पंडितों और बाजार ने इस अर्थ का ही अनर्थ कर दिया है। 'स्वास्थ्य पर्व', 'धन्वंतरि पर्व' होने के बजाय धनतेरस को खरीददारी का दिन बना दिया गया। इस साल धनतेरस के दिन 60,000 करोड़ रुपए से अधिक की खरीददारी की गई। करीब 20,000 करोड़ रुपए का सोना और 2500 करोड़ रुपए की चांदी खरीदी गई। इनके सिक्के भी खरीदे गए। करीब 100 करोड़ रुपए के नए बर्तन खरीदे गए। पंडितों और बाजार के एक वर्ग ने 'धनतेरस' वाले दिन नई चीज की खरीद को 'सौभाग्यशाली' प्रचारित किया, बड़े-बड़े गूढ़ मंत्र पढ़कर आम आदमी को भ्रमित किया। जेवरात के अलावा, कार, बाइक, जमीन के टुकड़े की भी खरीददारी की गई। बेचारा गरीब या सामान्य वर्ग क्या करे, क्योंकि उसके पास तो धन नहीं है? क्या उसका 'धनतेरस' बेमानी रहेगा या दैवीय शक्तियां स्वीकार नहीं करेंगी? बहरहाल भगवान धन्वंतरि और स्वास्थ्य महज प्रतीक बन कर रह गए। जिस देश में टाइप-2 मधुमेह के 10 करोड़ मरीज हों, करीब 22 करोड़ लोग हाइपर टेंशन, उच्च रक्तचाप के शिकार हों, साल में औसतन 35 लाख लोग हृदय रोग से मर जाते हों, उस देश में धनतेरस को धन, वैभव, खरीददारी, सम्पन्नता के भ्रम का पर्व मान लिया गया और उसी भावना से मनाया गया। यही नहीं, लाखों लोगों ने ऑनलाइन भोजन के ऑर्डर दिए और घर की रसोई की छुट्टी कर दी। क्या पर्व के दिन ऐसा भी होता है? हम धन-धान्य, पैसा कमाने, सोने-चांदी के जेवरात या अन्य उपकरण खरीदने, कार-बाइक खरीदने के खिलाफ नहीं हैं। धनवान बनना कोई अपराध या पाप नहीं है, लेकिन जरा यह तो सोचिए कि उस धन, वैभव का उपभोग आप कैसे करेंगे? आप तो बीमार हैं। आपको प्रभु धन्वंतरि के ज्ञान की जरा-सी भी चिंता नहीं है। इसी तरह दीपावली का 'बाजारीकरण' हो रहा है। बेशक यह देश की भौतिक प्रगति का भी स्पष्ट संकेत है कि हमारे बाजार और उपभोक्ता बेहद सक्रिय हैं। औसत मांग बढ़ रही है, तो उत्पादन भी बढ़ रहे हैं, अर्थव्यवस्था विस्तार पा रही है, लेकिन पर्वों के पीछे जो आस्थामयी कहानियां हैं, कमोबेश उनको खारिज नहीं किया जा सकता।

धर्म हमारी सांस्कृतिक विरासत का एक हिस्सा हैं और प्रभु राम इसके विराट चेहरा हैं। यदि दीपावली का मनोरथ प्रभु राम में ही निहित है, तो बनावटी बाजार के कोई मायने नहीं हैं। यह भूलना नहीं चाहिए कि विश्व की 5वीं अर्थव्यवस्था होने के बावजूद भारत आज भी औसतन गरीब देश है। आज संदर्भ हमारे पवित्र पर्वों का है। कृपया उनके अर्थ और मनोरथ को विकृत मत कीजिए। दिवाली का पर्व इस तरह मनाया जाना चाहिए कि प्रदूषण न फैले। दिल्ली पहले ही प्रदूषण के कारण काफी बदनाम है। अन्य शहरों में भी दिवाली के दिनों में प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। अगर हम पटाखे नहीं चलाएंगे, दिवाली तो फिर भी मनाई जा सकती है। पटाखों पर खर्च किए जाने वाले पैसे किसी गरीब की मदद कर सकते हैं।

जीवन मंत्र | पाउलो कोएल्हो

क्रोध की आग विनाशकारी

> बुद्ध ने कहा- 'इस व्यक्ति के भीतर क्रोध की ज्वाला धधक रही है। क्रोध हिंसा का प्रकट रूप है। जिस व्यक्ति में क्रोधाग्नि जल रही है, वह अहिंसक हो ही नहीं सकता। इसलिए ऐसे व्यक्ति को सभा, समूह और समाज से दूर ही रहना चाहिए।'

क्रोध को अग्नि के समान क्यों कहा गया है, क्योंकि इसमें इंसान खुद तो धधकता ही है, उसका क्रोध आस-पास के लोगों में भी क्रोध की चिनगारी सुलगा देता है। यह सबसे पहले मनुष्य के विवेक को भस्म करता है। एक बार गौतम बुद्ध अपने शिष्यों के साथ भ्रमण कर रहे थे। चलते-चलते वह एक गांव के बगीचे में पहुंचे। बुद्ध के आने की खबर आसपास के गांवों में भी पहुंच गई। उनके दर्शन और उनकी अमृतवाणी सुनने के लिए लोग बगीचे में उमड़ आए। बुद्ध अपने शिष्यों के साथ मौन बैठे थे। जब काफी देर हो गई, तो शिष्यों को लगा कि तथागत कहीं अस्वस्थ तो नहीं हैं। आखिर एक शिष्य ने उनसे पूछ ही लिया, 'तथागत! आज आप शांत क्यों हैं? आपको सुनने की प्रतीक्षा में हजारों लोग

बैठे हैं। क्या हमसे कोई गलती हो गई है?' बुद्ध ने कोई उत्तर नहीं दिया। वह मौन रहे। सच यह था कि हर पल आनंद में स्थित बुद्ध न तो नाराज थे और न ही अस्वस्थ। वह तो सभा में आए हजारों लोगों के चित्त के चित्र को अपने ध्यानस्थ नेत्रों से देख रहे थे कि प्रत्येक दर्शनार्थी के मन में क्या चल रहा है? उसके चित्त की दशा क्या है? बुद्ध अपने तरीके से लोगों की मानसिक उलझनों को दूर करने तथा उनकी समस्याओं का व्यावहारिक समाधान सुझाने के प्रयास करते थे।

इसी बीच पीछे खड़ा एक व्यक्ति जोर से चिल्लाया, मुझे सभा में बैठने की अनुमति क्यों नहीं दी गई है? एक शिष्य बोल उठा कि उस व्यक्ति को सभा में आने की अनुमति प्रदान की जाए। बुद्ध मौन से बाहर आए और बोले- नहीं! उसे सभा में आने की आज्ञा नहीं दी जा सकती। यह सुनकर शिष्यों के साथ वहां बैठे लोगों को बड़ा आश्चर्य हुआ। करुणा और प्रेम की प्रतिमूर्ति महात्मा बुद्ध द्वारा किसी को अनुमति न दिया जाना सबके लिए आश्चर्यजनक था। बुद्ध की निगाह में तो मानव मानव में कोई भेद न था।

बुद्ध ने कहा- 'इस व्यक्ति के भीतर क्रोध की ज्वाला धधक रही है। क्रोध हिंसा का प्रकट रूप है। जिस व्यक्ति में क्रोधाग्नि जल रही है, वह अहिंसक हो ही नहीं सकता। इसलिए ऐसे व्यक्ति को सभा, समूह और समाज से दूर ही रहना चाहिए।' उस व्यक्ति को अपनी गलती का एहसास हो चुका था। वह दौड़ते हुए आया और बुद्ध के चरणों में गिरकर बिलखने लगा। बुद्ध उसके सिर पर प्रेम से हाथ फेरते हुए बोले- वत्स! क्रोध उस दहकते हुए कोयले के समान है, जिसे व्यक्ति दूसरों को जलाने के लिए अपने मन में रखे रहता है और उससे हर पल वह स्वयं ही जलता है, इसलिए इससे बाहर निकलो। अपने अंदर प्रेम, करुणा और सहिष्णुता के जल को भरकर इसे सदा-सदा के लिए बुझा सकते हो। इसके बुझते ही तुमको शांति मिलेगी और तुम्हें अपने अंदर से सुख की प्राप्ति होने लगेगी।

सुभाष चंद्र शर्मा

जीवन ऊर्जा | गैरी प्लेयर : जन्म -1 नवंबर 1935 | जन्म

जितना संभव हो उतनी सीखें

> गैरी प्लेयर का जन्म 1 नवंबर 1935 को दक्षिण अफ्रीका में हुआ था। वे एक महान गोल्फर हैं, जिन्हें गोल्फ की दुनिया में "ब्लैक नाइट" के नाम से जाना जाता है। नौ मेजर चैंपियनशिप जीतने वाले प्लेयर को उनकी अनुशासन कड़ी मेहनत और सकारात्मक सोच के लिए सराहा जाता है। वे गोल्फ इतिहास के सबसे सफल और प्रेरणादायक खिलाड़ियों में से एक हैं।

कड़ी मेहनत के बिना किसी ने कभी महानता हासिल नहीं की। आप जितना अधिक अभ्यास करेंगे, आपकी किस्मत उतनी ही अच्छी होती जाएगी। जीवन में असली सफलता कड़ी मेहनत और समर्पण से मिलती है। हर असफलता में एक सबक छिपा होता है, इसे सीखकर आगे बढ़ें। जीवन में सबसे बड़ा डर असफलता का नहीं, बल्कि कोशिश न करने का है। जीतने के लिए आपको हार का सामना करने का साहस होना चाहिए। धैर्य और कड़ी मेहनत से हर लक्ष्य को पाया जा सकता है। हमेशा सकारात्मक सोचें, नकारात्मकता केवल आपका समय बर्बाद करती है। सफलता का रास्ता तभी खुलता है जब आप अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हों। जीवन में स्थिरता और संतुलन बनाए रखना

सबसे बड़ी उपलब्धि है। अपने डर का सामना करें, क्योंकि यही आपके विकास का पहला कदम है। कामयाबी का असली आनंद तब आता है जब आपने उसके लिए मेहनत की हो। जितना संभव हो उतनी सीखें, क्योंकि ज्ञान ही असली शक्ति है। हर दिन एक नई शुरुआत होती है, इसे पूरी तरह से जिएं। गलतियां करने से न डरें, यही तो सच्चा अनुभव देती हैं। अगर आप खुद पर विश्वास रखते हैं, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। असफलता का मतलब हार नहीं होती, बल्कि यह एक नया अवसर होता है।

बिना जोखिम उठाए सफलता नहीं मिलती। खुद को बेहतर बनाना ही असली जीत होती है। कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता। जब आप प्रयास करना बंद कर देते हैं, तभी आप वास्तव में हारते हैं। सपने देखना शुरू करें, क्योंकि यही आपकी उड़ान का पहला कदम है। सच्ची शक्ति उस इंसान में है जो हर परिस्थिति में शांत रह सकता है। असली खिलाड़ी वही है जो कठिनाइयों में भी मुस्कराना जानता है। सफलता और विफलता दोनों जीवन के हिस्से हैं, लेकिन साहस ही असली जीत है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

मूर्तियों में भी होते हैं प्राण

जब सारे विश्व में एकेश्वरवाद पर आध्यात्मिक शोध चल रहे थे तब भारत में श्रीरामकृष्ण परमहंस जी जैसे विलक्षण संत 'काली मां' की मूर्ति से घंटों बातें किया करते थे।

शुरूआती दिनों में लोग उन्हें पागल समझते थे, लेकिन धीरे-धीरे लोगों को समझ आया कि रामकृष्ण जी के भीतर कुछ घट गया है, काली को भोग लगाना उनकी नियमित दिनचर्या थी। भोजन की थाली लेकर मंदिर के गर्भगृह में घुसते तो निश्चित नहीं था कि कब बाहर निकलें, एक दिन उनकी पत्नी शारदा उन्हें खोजते हुए मंदिर जा पहुंची श्रद्धालु जा चुके थे और परमहंस गर्भगृह के भीतर भोग लगा रहे थे, दरवाजे की दरार से उन्होंने अंदर झांका तो वे स्तब्ध रह गईं, साक्षात काली रामकृष्ण के हाथों से भोजन ग्रहण कर रहीं थीं। उस दिन से शारदा का जीवन बदल गया।

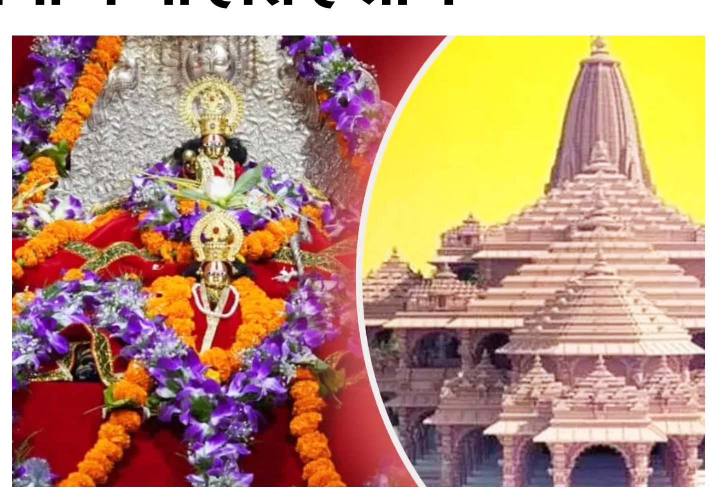

सनातन धर्मावलम्बियों को मूर्तियों में प्राण डालने का विज्ञान हजारों साल पहले से मालूम था। अटल श्रद्धा के उस अदृश्य महाविज्ञान ने आज तक सनातन प्रतिमाओं को जीवंत गया।

मूर्ति स्थापना के दौरान मूर्ति में वेद मंत्रों के साथ पूरे विधि-विधान से मूर्ति में प्राण-प्रतिष्ठा की जाती है। मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा के कठोर व विशेष नियम हैं। अष्टांग योग के यम-नियमों का यजमान को पूरा पालन करना पड़ता है और एक पूर्ण रूप से प्राण-प्रतिष्ठित मूर्ति के आस-पास दिव्य ऊर्जा का घेरा बना हुआ रहता है।

शास्त्र कहता है कि जिस मूर्ति को निरंतर वर्षों तक पूजा जाता है, उसमें प्राण प्रतिष्ठित हो जाते हैं। उसमें देवत्व ऊर्जा समाहित हो जाती है।

इसलिए ध्यान रहे देव मंदिरों में व मूर्ति के आस-पास मर्यादा बनाकर रखना चाहिए और घर में भी अपने मंदिर व पूजा की तस्वीरों के आस-पास विशेष साफ-सफाई व पवित्रता का ध्यान रखना चाहिए।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सक्सेस मंत्र

चींटी और टिड्डे की कहानी देती है सतत परिश्रम के लिए प्रेरणा

बचपन में हम सबने चींटी और टिड्डे की कहानी पढ़ी होगी। इस कहानी में भी कुछ करने की प्रेरणा देता एक संदेश छिपा है, जिससे हम अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने की प्रेरणा ले सकते हैं। पढ़िए चींटी और टिड्डे की कहानी-

एक बार चींटियों का दल हमेशा की तरह अपने काम में जुटा था। तभी वहां नाचता उछलता हुआ एक टिड्डा पहुंचा। टिड्डे को मस्ती करते देख चींटियों ने उसे सर्दी में

आने वाले मुकिश्लों को याद कराया। उन्होंने कहा कि वह भी काम करे नहीं ठंड में कुछ खाने को नहीं मिलेगा और पूरी ठंड ठिठुरते रहना पड़ेगा। लेकिन टिड्डे ने उनकी एक न सुनी और उल्टे उनका ही मजाक बनाने लगा। टिड्डा चींटियों से कहने लगा कि तुम लोग भी मेरे जैसे नाचने-गाने का आनंद लो। सर्दियों के बारे में बाद में सोच लेना।

चींटियों ने कहा नहीं वह मस्ती नहीं कर सकतीं क्योंकि सर्दियां आने वाली हैं। उस मौसम के लिए भोजन इकट्ठा करना है। और हमारे ख्याल से तुम्हें भी ऐसा ही करना चाहिए।

इस पर टिड्डे ने कहा, अभी सर्दियां बहुत दूर हैं। आज देखो कितना अच्छा दिन है, तुम भी मेरे साथ आओ मौज मस्ती का आनंद लो।' और फिर गाने में जुट गया।

इधर कुछ दिन बाद ठंड का मौसम आ गया। अब टिड्डे का चेहरा मुरझाया हुआ था। क्योंकि उसने ठंड के लिए कोई तैयारी नहीं की थी। खेतो में बर्फ की चादर पड़ने अब कुछ भी खाने को नहीं बचा था। भूख से मर रहे टिड्डे को अंत में उन चीटियों से खाना मांगना पड़ा जिन्हें वह कभी मस्ती करने का ज्ञान दे रहा था।

कहानी की सीख: अपने काम में मेहनत के साथ जुटा रहता है उसे आगे आने वाली मुश्किलों से लड़ने में आसानी होती है।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

न्यूज़ ब्रीफ

PM मोदी ने 'लौह पुरुष' को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार यानि आज राष्ट्रीय एकता दिवस पर सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि दी। आज वल्लभ भाई पटेल की 149वीं जयंती है। प्रधानमंत्री ने गुजरात के केवडिया में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का दौरा किया और उस पर पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रीय एकता दिवस के मौके पर केवड़िया में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। बता दें कि पटेल का जन्मदिन हर साल 31 अक्टूबर को मनाया जाता है। पीएम मोदी सुबह राज्य के नर्मदा जिले में एकता नगर के पास पटेल को समर्पित दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा पर पहुंचे और उन्होंने भारत के लौह पुरुष को श्रद्धांजलि देने के लिए फूल चढ़ाए।

China की कंपनी को नोट छापने का ठेका, मैप में 3 भारतीय इलाके

काठमांडू। नेपाल अपने 100 रुपए के नोट पर अवैध नक्शा छाप रहा है, जिसमें भारत के तीन इलाकों को वो अपना कह रहा है। माना जा रहा है कि 100 रुपए के नोट पर नेपाल की नक्शेबाजी असल में चाइनीज प्लानिंग का हिस्सा है। इस नोट में बने नक्शे में भारत के लिपुलेख, लिपियाधुरा, कालापानी क्षेत्र को नेपाल का हिस्सा दर्शाया गया है। हैरानी की बात ये है कि नेपाल ने 100 रुपए वाले मूल्यों के नोटों की छपाई का काम चीन की कंपनी चाइना बैंक नोट प्रिटिंग एंड मीटिंग कॉरपोरेशन को सौंपा है। यानी नोट वाली इस साजिश का ब्लू प्रिंट भले ही नेपाल से रिलीज किया गया है लेकिन इसकी स्क्रिप्ट बीजिंग में लिखी गई है। माना जा रहा है कि चीन के इशारे पर ही नेपाल ने नक्शा 100 रुपए के नोट पर छापा है। जिसमें लिपुलेख समेत भारत के तीन इलाके अपने दिखाए गए हैं। लेकिन नेपाल ये भूल गया है कि लिख देने से या विस्तारवादी नोट छाप देने से भारत का कोई इलाका उसका नहीं हो जाएगा।

अक्टूबर के अंत में दिल्ली में पड़ी एक दशक की सबसे ज्यादा गर्मी

नई दिल्ली। कोई पश्चिमी विक्षोभ नहीं आने और कमोबेश हर रोज ही पूरे पूरे दिन तेज धूप निकलने के कारण इस बार अक्टूबर महीने के आखिर में भी खासी गर्मी देखने को मिल रही है। आलम यह है कि अधिकतम एवं न्यूनतम दोनों तापमान सामान्य से पांच पांच डिग्री ऊपर जा रहा है। अभी अगले सप्ताह भर तक इस स्थिति में अधिक बदलाव के आसार भी नहीं हैं। ऐसे हालात बीते एक दशक में पहली बार बन रहे हैं। गर्मी की चुभन से बचने के लिए अभी तक एसी एवं पंखे भी चल रहे हैं। दिन भर खिली रही तेज धूप के बीच बुधवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री ऊपर 36.1 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री ऊपर 21.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

रोटी देने से किया इनकार तो शख्स को चौथी मंजिल से दिया धक्का; मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के बवाना इलाके में दो रोटियों को लेकर एक अन्य कर्मचारी द्वारा कथित तौर पर धक्का दिए जाने के बाद एक फैक्ट्री कर्मचारी की मौत हो गई। मृतक की पहचान राम प्रकाश के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, घटना 29 अक्टूबर की है, जब राम प्रकाश दीवाली से पहले फैक्ट्री को सजा रहे थे।

भाजपा के सबसे पुराने कार्यकर्ता भुलई भाई का निधन

पार्टी को शून्य से शिखर तक पहुंचाने में रहा है हाथ, कप्तानगंज स्थित अपने घर पर अंतिम सांस ली

एजेंसी | पटना

भाजपा के सबसे पुराने कार्यकर्ता श्री नारायण उर्फ भुलई राम का निधन हो गया। 111 सावन देख चुके भुलई छपरा जिले कप्तानगंज स्थित अपने घर पर अंतिम सांस ली। कोरोना के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फोन कर उनका हाल-चाल लिया था, तब वह चर्चा में आए थे। बता दें कि वह जन संघ से भी जुड़े रहे हैं। वह 1974 कुशीनगर की नौरंगिया विधानसभा सीट से 2 बार विधायक बने थे। जनसंघ के बाद जब भाजपा बनी तो उसके बाद भी वह पार्टी के एक समर्पित कार्यकर्ता के रूप में कार्य करते रहे। 111 वर्षीय श्री नारायण उर्फ भुलई भाई घर पर ही ऑक्सीनज सपोर्ट पर थे। सोमवार को अचनाक उनकी तबियत खराब हुई और अंतिम गति को प्राप्त हुए।

अमित शाह ने किया था सम्मानित

भुलई भाई के पार्टी के प्रति समर्पण को देखते हुए भाजपा ने भी हमेशा उनका सम्मान किया। वर्ष 2022 में दशकों बाद उत्तर प्रदेश में जब भाजपा की सरकार बनी तो सबसे ज्यादा खुश भुलई भाई थे। योगी आदित्यनाथ के शपथ ग्रहण समारोह में उन्हें विषेश तौर बुलाया गया था। इस दौरान मंच से उतरकर तात्कालीन भाजपा अध्यक्ष व वर्तमान गृहमंत्री अमित शाह ने उन्हें सम्मानित किया था।

कौन हैं भुलई भाई?

श्री नारायण उर्फ भुलई भाई भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठतम कार्यकर्ता हैं। भुलई भाई 1974 में नौरंगिया से भारतीय जनसंघ से विधायक रहे हैं। बीजेपी के गठन के बाद भुलई भाई बीजेपी के कार्यकर्ता बन गए। नौरंगिया सीट को वर्तमान में खड्डा के नाम से जाना जाता है।

केसरिया गमछा भुलई भाई की पहचान

जब भारतीय जनसंघ की स्थापना हुई तो श्री नारायण उर्फ भुलई भाई एमए के छात्र थे। उस वक्त दीनदयाल उपाध्याय से प्रभावित होकर उन्होंने जन संघ सिद्धांतो अपनाया। एमए के बाद एमएड किया और इसके बाद भुलई भाई शिक्षा अधिकारी बन गए, लेकिन 1974 में उन्होंने नौकरी छोड़ दी और सियासत में आकर देश और समाज के लिए कुछ करने की ठानी। इसी साल पार्टी ने उन्हें उम्मीदवार बनाया और भुलई से वह विधायक भुलई भाई बन गए।

यूटी स्थापना दिवस नहीं.. ये काला दिवस है

महबूबा मुफ्ती ने मनोज सिन्हा के दावे को नकारा

एजेंसी | अनंतनाग

जम्मू और कश्मीर की पूर्व सीएम व पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने गुरुवार को कहा कि उनकी पार्टी केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) स्थापना दिवस को तब तक काला दिवस के रूप में मनाती रहेगी, जब तक कि पूर्ववर्ती राज्य की विशेष शक्तियां बहाल नहीं हो जातीं। महबूबा मुफ्ती ने अनंतनाग जिले में कहा, " मैं राज्यपाल साहब को बताना चाहती हूं कि जम्मू और कश्मीर और खासकर पीडीपी के लिए आज काला दिन है। हम इसे तब तक काला दिवस के रूप में मनाते रहेंगे, जब तक कि जम्मू और कश्मीर की विशेष शक्तियां बहाल नहीं हो जातींमैंने पहले भी कहा है कि जम्मू और कश्मीर भाजपा के लिए प्रयोगशाला बन गया हैवे देश में अल्पसंख्यकों को एक संदेश देना चाहते हैं।"

एलजी मनोज सिन्हा ने की आलोचना

महबूबा मुफ्ती के बयान के पहले जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने गुरुवार को छठे केंद्र शासित प्रदेश स्थापना दिवस समारोह में शामिल न होने के लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अन्य नेताओं पर सवाल उठाया था। अपने बयान में मनोज सिन्हा ने यूटी दिवस मनाने के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि जम्मू-कश्मीर का केंद्र शासित प्रदेश के रूप में वर्तमान दर्जा एक वास्तविकता है। यह पहली बार नहीं है, जब हम इस दिन को मना रहे हैं। एलजी मनोज सिन्हा ने कहा कि जेके में चुनाव कुछ दिन पहले ही समाप्त हुए हैंहर कोई इस कार्यक्रम में शामिल होने नहीं आ सकता है, लेकिन आज की तारीख में जम्मू-कश्मीर एक केंद्र शासित प्रदेश है और हमें इस तथ्य को स्वीकार करना होगा। पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी कहा कि पहले परिसीमन, फिर विधानसभा चुनाव और फिर राज्य का दर्जा मिलेगा। जब पीएम मोदी योग दिवस पर यहां आए थे, तो उन्होंने कहा कि जल्द ही विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे और फिर जेके को राज्य का दर्जा दिया जाएगा।

नेशनल कॉन्फ्रेंस भी विरोध में

नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता यूटी दिवस के विरोध में मुखर रहे हैं और पूर्ण राज्य का दर्जा वापस करने की मांग कर रहे हैं। एनसी विधायक तनवीर सादिक ने पहले कहा था कि एनसी यूटी दिवस नहीं मनाएगी क्योंकि पार्टी जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश के रूप में मान्यता नहीं देती है, उनका दावा है कि 2019 में जम्मू-कश्मीर के लोगों से इसका दर्जा छीन लिया गया था और यह असंवैधानिक था। एएनआई से बात करते हुए, जेकेएनसी प्रवक्ता ने दोहराया, "हम केंद्र शासित प्रदेश के दर्जे के लिए कभी समझौता नहीं करेंगे। हमारी मांग दृढ़ है। पूर्ण राज्य का दर्जा और 5 अगस्त, 2019 से पहले वाली जम्मू-कश्मीर की स्थिति चाहिए।" जम्मू-कश्मीर यूटी स्थापना दिवस जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत केंद्र शासित प्रदेश के निर्माण का प्रतीक है। इस साल, पिछले साल की तरह, इसे जम्मू के कन्वेंशन सेंटर में मनाया गया।

पार्टी करने लिए कंट्रोल रूम में फोन करना पड़ा भारी, चारों मित्र सस्पेंड

एजेंसी | लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले से पुलिस कर्मचारियों का अजीबो-गरीब कारनामा सामने आया है। दरअसल मेरठ पुलिस के चार सिपाहियों को एक पार्टी का निमंत्रण मिला था, लेकिन समस्या ये थी पार्टी के समय तक उनकी ड्यूटी खत्म नहीं हुई थी। जिसके बाद उन्होंने तरकीब निकाली। चारों सिपाहियों ने प्लान के तहत एक राहगीर के मोबाइल फोन से कंट्रोल रूम में पार्टी का लोकेशन बताते हुए बवाल की सूचना दी। उसके बाद पीएआरवी पर तैनात चारों पुलिसकर्मी जैसे ही कंट्रोल रूम से मैसेज सर्कुलेट हुआ, लोकेशन पर पहुंच गए। ऑन ड्यूटी पार्टी करने लगे। इससे उन्हें छुट्टी मांगने की जरूरत नहीं पड़ी और पार्टी-ड्यूटी दोनों साथ हो गई।

प्लान फेल चारों सिपाही सस्पेंड
जब पुलिसकर्मी पार्टी में पहुंचे तो उन्होंने कंट्रोलरूम को बताया कि सबकुछ ठीक है। यहां मामूली विवाद हुआ था, सब अंडर कंट्रोल है। हंगामा करने वालों को शांत करा दिया है, लेकिन जब UP -112 हेडऑफिस ने मामले पर फीडबैक मांगा को मामला खुल गया। इसके बाद SSP विपिन ताडा ने मामले पर चांज बैठा दी। इतना ही नहीं चारों पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया।

PRV में तैनात 4 सिपाहियों को मिला था पार्टी का इनविटेशन

जांच में यह सामने आया कि 23 अक्टूबर को PRV में तैनात 4 सिपाहियों को पार्टी के लिए इनवाइट किया गया था। यह लोग सरकारी गाड़ी से पहुंचे। इसके बाद 30 अक्टूबर को हेड कॉन्स्टेबल यशपाल सिंह, कॉन्स्टेबल प्रमोद कुमार, जितेंद्र कुमार और राजन को सस्पेंड कर दिया।

राहगीर के फोन से कहा, बवाल हो गया : दरअसल जिस नंबर से कंट्रोल रूम में फोन किया गया था, उसी नंबर पर फीडबैक के लिए फोन किया गया तो मामला खुल गया। उस आदमी ने बताया कि वह रास्ते जा रहा था। तभी पुलिस की गाड़ी आई और उसमें से एक इमरजेंसी फोन करने को लेकर मेरा फोन मांग लिया।

नेपाल दिया चीन की कंपनी को ने नोट छापने का ठेका

मैप में 3 भारतीय इलाके, बड़ा कांड

एजेंसी | काठमांडू

नेपाल अपने 100 रुपए के नोट पर अवैध नक्शा छाप रहा है, जिसमें भारत के तीन इलाकों को वो अपना कह रहा है। माना जा रहा है कि 100 रुपए के नोट पर नेपाल की नक्शेबाजी असल में चाइनीज प्लानिंग का हिस्सा है। इस नोट में बने नक्शे में भारत के लिपुलेख, लिपियाधुरा, कालापानी क्षेत्र को नेपाल का हिस्सा दर्शाया गया है। हैरानी की बात ये है कि नेपाल ने 100 रुपए वाले मूल्यों के नोटों की छपाई का काम चीन की कंपनी चाइना बैंक नोट प्रिटिंग एंड मीटिंग कॉरपोरेशन को सौंपा है। यानी नोट वाली इस साजिश का ब्लू प्रिंट भले ही नेपाल से रिलीज किया गया है लेकिन इसकी स्क्रिप्ट बीजिंग में लिखी गई है। माना जा रहा है कि चीन के इशारे पर ही नेपाल ने नक्शा 100 रुपए के नोट पर छापा है। जिसमें लिपुलेख समेत भारत के तीन इलाके अपने दिखाए गए हैं। लेकिन नेपाल ये भूल गया है कि लिख देने से या विस्तारवादी नोट छाप देने से भारत का कोई इलाका उसका नहीं हो जाएगा। भारत ने पहले भी नेपाल की नक्शेबाजी पर अपना विरोध जताया था।

इस बार भी नेपाल को नक्शेबाजी महंगी पड़ सकती है। नेपाल के मंत्रिमंडल ने 100 रुपए के नोट के डिजाइन में बदलाव को मंजूरी दे दी है। इसमें रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण तीन क्षेत्रों लिंपियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी को नेपाल का हिस्सा बताया गया है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर पीएम मोदी का देशवासियों के लिए संदेश

अंदरूनी और बाहरी खतरे से देश को सावधान रहने की कही बात

एजेंसी | एकता नगर

आज दिवाली के मौके पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरूवार को आम जनता के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम रख गया था, जिसमें उन्होंने कहा है कि हमारे देश के अंदर और बादर कुछ ऐसी ताकतें है, जो देश को अस्थिर करने और दुनिया में भारत की नकारात्मक छवि बनाने का प्रयास कर रही है और साथ ही उन्होंने ये भी कहा है कि ये ताकतें अराजकता फैलाने का भी काम कर रही हैं। भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के निकट एक सभा को प्रधानमंत्री संबोधित कर रहे थे । आपको बता दें कि साल 2014 से, 31 अक्टूबर यानी सरदार पटेल की जयंती को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाई जाती है।

जाति के आधार पर बांटने की कोशिश

प्रधानमंत्री ने कहा है कि भारत के अंदर और बाहर कुछ ताकतें देश को अस्थिर करने और दुनिया में इसकी नेगेटिव इमेज बनाने के लिए अराजकता फैलाने की कोशिश कर रही हैं। वे देश को जाति के आधार पर बांटने की कोशिश कर रहे हैं और ये ताकतें विकसित भारत के खिलाफ हैं।

नया मॉडल पनप रहा

उन्होंने देश के लोगों से अर्बन नक्सलियों के इस गठबंधन की पहचान करने का आग्रह किया और कहा कि ये लोग देश को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि जैसे-जैसे जंगलों में नक्सलवाद खत्म हो रहा है, अर्बन नक्सलियों का एक नया मॉडल पनप रहा है। आज अर्बन नक्सली उन लोगों को भी निशाना बना रहे हैं जो कहते हैं कि अगर आप एकजुट रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे। हमें अर्बन नक्सलियों की पहचान कर उनका पर्दाफाश करना होगा।

इजरायल के साथ युद्ध खत्म करने के लिये तैयार हुआ हमास

लेकिन सामने रख दी एक शर्त

गाज़ा। एक साल से भी ज्यादा समय से इजरायल के साथ चल रहे अपने संघर्ष को रोकने के लिए हमास तैयार है लेकिन इसके साथ ही उसने किसी भी अल्पकालिक युद्धविराम के लिए इनकार कर दिया है। हमास का कहना है कि अल्पकालिक युद्धविराम का अर्थ है कि आप फिर से आक्रामकता को बढ़ाएंगे, इसलिए समूह हमेशा से ही पूर्ण और स्थायी युद्ध विराम के पक्ष में रहा है। हमास के नेता ताहेर अल-नुनु ने कहा कि अस्थाई युद्ध विराम की बात करने से दोबारा आक्रामकता बढ़ने की बात पर मुहर लग जाती है। हम ऐसा कुछ नहीं चाहते। हमास हमेशा से युद्ध के स्थाई समाधान के विषय में बात करता है। हम युद्ध का स्थाई अंत चाहते है अस्थाई नहीं। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी कि हालिया कतर यात्रा के बाद ही हमास और इजरायल के बीच दोबारा से शांति वार्ता शुरू हुई थी। इजरायल और हमास के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे देशों ने हमास के सामने एक महीने से भी कम समय के संघर्ष विराम का प्रस्ताव रखा था। इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद के प्रमुख डेविड बार्निया, अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के प्रमुख बिल बर्न्स और कतर के प्रधानमंत्री के बीच दोहा में आयोजित शांति वार्ता सोमवार को समाप्त हुई।

राजनीति | चिराग पासवान की राह पर चले आरसीपी सिंह? 140 सीटों पर लड़ेंगे

प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ, मुख्यमंत्री नीतीश से बैर

एजेंसी | पटना

पूर्व केंद्रीय मंत्री रामचंद्र प्रसाद सिंह उर्फ आरसीपी सिंह ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का साथ छोड़कर बिहार में नई पार्टी का गठन कर दिया है। उन्होंने अपनी पार्टी का नाम आप सबकी आवाज (ASA) रखा है। आरसीपी सिंह ने 2025 में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में राज्य की 243 में से लगभग 140 सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा भी कर दिया है। नई पार्टी की घोषणा करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की। वहीं, इशारों ही इशारों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नीतियों का खुलकर विरोध किया। अब इससे नीतीश की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। क्योंकि आरसीपी सिंह उसी राह पर चलने के संकेत दे रहे हैं, जिस पर 2020 के चुनाव से पहले लोजपा रामविलास के मुखिया चिराग पासवान चले थे। पटना में गुरुवार को मीडिया से बातचीत के दौरान आरसीपी सिंह ने कहा कि दीपावली के शुभ अवसर पर वह अपनी नई पार्टी लॉन्च कर रहे हैं। इस दिन सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती भी है। उन्होंने सरदार पटेल की जयंती को बड़े उत्सव के रूप में मनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। आरसीपी ने जेडीयू से अपने रिश्ते के बारे में कुछ नहीं कहा। हालांकि, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम लिए बिना ही उनकी नीतियों पर जमकर हमला बोला। आरसीपी सिंह ने शराबबंदी कानून पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे बिहार को राजस्व की हानि हो रही है। राज्य की प्रति व्यक्ति आय दूसरे प्रदेशों की तुलना में बहुत कम है। साथ ही बिहार में शिक्षा की हालत भी बदतर है।

140 सीटों पर चुनाव लड़ेगी ASA?

आरसीपी सिंह ने कहा कि उनकी पार्टी 'आप सबकी आवाज' आगामी बिहार विधानसभा का चुनाव लड़ेगी। उन्होंने बताया कि आधी से ज्यादा सीटों पर उनकी तैयारी है। 243 में से लगभग 140 सीटों पर उनके साथी चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर कर चुके हैं। हालांकि, उन्होंने आगामी चुनाव में गठबंधन को लेकर पत्ते नहीं खोले।

ब्यूरोक्रेट से नेता बने आरसीपी सिंह, कभी नीतीश के खास रहे

आरसीपी सिंह की गिनती एक समय सीएम नीतीश के करीबियों में होती थी। दोनों ही नालंदा जिले से ही ताल्लुक रखते हैं। आरसीपी सिंह गिनती ब्यूरोक्रेट से नेता बने चुनिंदा लोगों में होती है। वे यूपी कैडर के आईएएस रह चुके हैं। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान नीतीश जब रेल मंत्री थे, तब आरसीपी सिंह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली में तैनात थे। इसी दौरान दोनों एक-दूसरे के संपर्क में आए। इसके बाद आरसीपी का नीतीश से गहरा नाता जुड़ गया। 2005 में जब नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री बने तो आरसीपी सिंह को राज्य में बुलाकर अपना प्रधान सचिव बना दिया। 2010 में आरसीपी सिंह ने वीआरएस ले लिया और जेडीयू में शामिल हो गए। जेडीयू से वे दो बार राज्यसभा गए। संगठन में अपनी पकड़ मजबूत करते हुए वे नीतीश के बाद नंबर दो के नेता हो गए। नीतीश ने उन्हें जेडीयू का अध्यक्ष भी बना दिया। हालांकि, 2021 में नीतीश कुमार और आरसीपी सिंह के बीच मतभेद देखने को मिले। आरसीपी मोदी कैबिनेट में शामिल हो गए।

Diwali पर आंध्र प्रदेश में दो जगह पटाखों में विस्फोट

3 लोग जिंदा जले, 11 घायल

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश में पटाखा विस्फोट की दो घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दीवाली के दिन एलुरु कस्बे में एक व्यक्ति दोपहिया वाहन पर एक थैले में पटाखे लेकर जा रहा था। तभी गंगम्मा मंदिर के पास सड़क पर बने गड्ढे में दोपहिया वाहन के फंसने से पटाखों से भरा बैग जमीन पर गिर गया और पटाखे फटने से दोपहिया वाहन सवार व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं इस हादसे में 6 अन्य लोग भी घायल हो गए, जिन्हें एलुरु के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतक की पहचान सुधारकर के रूप में हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

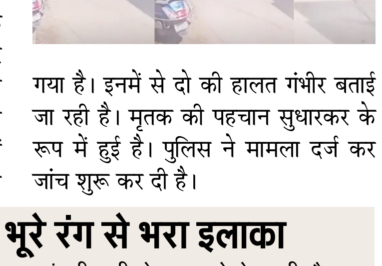

विस्फोट के बाद गहरे भूरे रंग से भरा इलाका

दरअसल, स्कूटर पर दो लोग सवार थे। वे एक संकरी गली से गुजर रहे थे। इसी दौरान स्कूटर गड्ढे में फंसने से पटाखों में विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना तेज था कि पूरा इलाका गहरे भूरे रंग के धुंए से भर गया और कागज के टुकड़े इधर-उधर उड़ने लगे । वहीं बाइक और शव के टुकड़े दूर दूर तक बिखरे हुए नजर आ रहे थे। वहीं एक अन्य घटना बुधवार शाम को पश्चिमी गोदावरी जिले में घटी। एक पटाखा निर्माण इकाई में आग लगने से दो महिलाएं जिंदा जल गईं और 5 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

खबर संक्षेप

बिल्डर से पांच करोड़ की रंगदारी की मांग

रांची। रातू थाना क्षेत्र में संडे मार्केट निवासी बिल्डर भीम प्रसाद को श्रीवास्तव गिरोह की ओर से पांच करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई है। रंगदारी नहीं देने पर उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई है। भीम प्रसाद, जो बीपीसी इंफ्रा प्रोजेक्टस प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक हैं, ने बुधवार को अपने मोबाइल पर एक कॉल रिसीव की। कॉल करने वाले ने खुद को अमरेंद्र तिवारी बताते हुए रंगदारी की मांग की और कहा कि यदि पैसे नहीं दिए गए, तो गंभीर परिणाम होंगे। भीम प्रसाद ने धमकी देने वाले से कहा कि वे पैसे नहीं दे सकते, तो उस व्यक्ति ने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए कहा कि उसे उनके परिवार के बारे में सब जानकारी है। धमकी देने वाले ने उनके तीन बेटों और उनके कामकाज का भी जिक्र किया।

जीजा की हत्या से मचा हड़कंप

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय जिले में अपराधियों ने एक युवक की निर्मम हत्या कर दी, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। घटना बखरी थाना क्षेत्र के सलौना गांव की है, जहां 40 वर्षीय नवीन शाह को साली से मिलने के दौरान पीट-पीट कर मार डाला गया। नवीन शाह, जो रतनपुर थाना क्षेत्र के तेलिया पोखर का निवासी था, धनतेरस के दिन अपनी साली से मिलने के लिए सलौना गांव आया था। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, कुछ देर बाद ही अपराधियों ने उसे घेर लिया और उसके साथ मारपीट की। मृतक का शव गांव वालों ने घटनास्थल से फेंक दिया। हत्याकांड की सूचना मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया।

आरसीपी सिंह ने बनाई नई पार्टी 'आसा'

पटनाः जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह ने अपनी नई पार्टी 'आसा' का गठन किया है। इस पार्टी का मतलब 'आप सबकी पार्टी' बताया गया है। आरसीपी सिंह ने पार्टी के झंडे के रंगों की जानकारी दी, जिसमें हरा, पीला और नीला रंग शामिल होगा। आरसीपी सिंह ने दावा किया कि उनकी पार्टी से चुनाव लड़ने के लिए 140 लोग तैयार हैं और संगठन का विस्तार प्रखंड, जिला और राज्य स्तर पर किया जाएगा। वे मिस्ड कॉल के जरिए लोगों को जोड़ने की योजना बना रहे हैं। आरसीपी सिंह ने बिहार सरकार की शराबबंदी नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि अवैध नशे का कारोबार बढ़ रहा है। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार पर आरोप लगाया कि वे शिक्षकों के साथ अन्याय कर रहे हैं और शराबबंदी को लेकर एक कमेटी बनाने की मांग की।

टेंपो-ट्रैक्टर की टक्कर में छह की मौत

दिवाली पर हादसे ने बदला माहौल

एजेंसी । बदायूं

बदायूं के थाना मुजरिया क्षेत्र में गुरुवार सुबह मेरठ-बदायूं हाईवे पर एक दर्दनाक हादसे में छह लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। हादसा तब हुआ जब गांव मुजरिया के पास एक टेंपो और ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर हो गई। टेंपो में सवार परिवार अपने गांव दिवाली मनाने जा रहे थे। हादसे की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

हादसे की भयावहता

सुबह करीब सात बजे टेंपो नोएडा से लौटते हुए मुजरिया चौकी के पास पहुंचा, तभी सामने से आई ट्रैक्टर ट्रॉली से उसकी टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में बरेली निवासी कन्हई, उनकी पत्नी कुसुम, बेटी शीनू और बेटा कार्तिक सहित अन्य दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। टेंपो में सवार पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं जिन्हें तुरंत मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ट्रैक्टर ट्रॉली चालक फरार, जांच जारी

टक्कर के बाद ट्रैक्टर ट्रॉली का चालक मौके से भाग निकला, जिससे घटना के बाद से आसपास के लोगों में आक्रोश है। हादसे में शामिल एक अन्य कार जो पीछे से आ रही थी, डिवाइडर से टकरा गई, जिसमें कार सवार एक व्यक्ति घायल हुआ। घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारी हालात का जायजा लिया और घायलों को उचित उपचार देने के निर्देश दिए। डीएम निधि श्रीवास्तव और एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में लिया।

मृतकों की पहचान

इस हादसे में दिवाली की खुशियों के बीच कई परिवारों में मातम छा गया है। मरने वालों में एक दंपती और उनके बच्चे शामिल हैं, जिनके घर का माहौल दिवाली के दिन मातम में बदल गया। पुलिस ने सभी मृतकों की पहचान कर परिजनों को सूचित किया। परिजन रोते-बिलखते अस्पताल पहुंचे, जहां से शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

मुख्यमंत्री ने किया अयोध्या में पूजन

एजेंसी । अयोध्या

अयोध्या में दीपोत्सव के अगले दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार सुबह हनुमानगढ़ी पहुंचकर बजरंगबली के दर्शन किए। वहां से श्री रामजन्मभूमि जाकर रामलला के दर्शन किए और प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने मीरापुर बुलंदी दलित बस्ती में दीपावली उपहार वितरित किए। बच्चों को चॉकलेट मिलने पर उनके चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी।

दलित बस्ती में दी दीपावली की बधाई

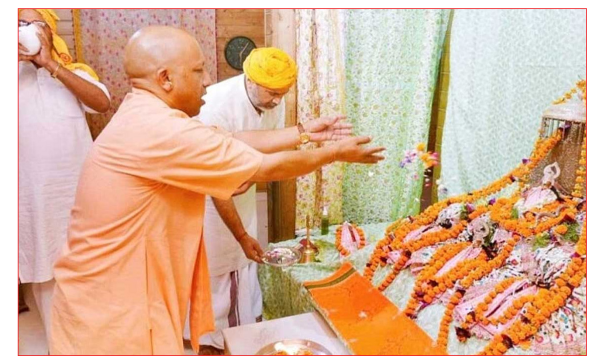

विशेष दीपोत्सव का उत्साह

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि दीपावली का पर्व पूरे भारत के लिए विशेष महत्व रखता है। इस बार की दीपावली इसलिए खास है क्योंकि रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान होकर भक्तों को आशीर्वाद दे रहे हैं। उन्होंने दीप पर्व को एकता, ज्ञान और धर्म के प्रसार का संदेश बताया और कामना की कि यह पर्व सभी के लिए सुख-समृद्धि का कारक बने।

संतों से भेंट और सहयोग का आभार

मुख्यमंत्री ने कारसेवकपुरम में संतों से मुलाकात कर दीपोत्सव में उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह पर्व अयोध्या की पहचान बन चुका है और इससे भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर सम्मान मिलता है। आरएसएस और संतों के आशीर्वाद से रामलला का मंदिर निर्माण संभव हो पाया है, और अब इसे उच्चतम मानकों तक ले जाना हमारा दायित्व है।

भूमि घोटाले में प्रतीक इंफ्रा के निदेशकों से होगी पूछताछ

एजेंसी । नोएडा

नोएडा के चर्चित हैसिंडा भूमि घोटाले मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रतीक इंफ्रा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों को पूछताछ के लिए समन भेजा है। यह पूछताछ अगले सप्ताह होनी है, जिसमें ईडी भूमि सौदे में अनियमितताओं की जांच करेगा। हैसिंडा प्रोजेक्ट के निदेशकों ने लोटस-300 प्रोजेक्ट के लिए नोएडा अथॉरिटी से आवंटित भूमि का 40 प्रतिशत हिस्सा प्रतीक इंफ्रा को बेचा था। बताया जा रहा है कि इस भूमि सौदे में नोएडा अथॉरिटी की अनुमति नहीं ली गई थी, जो नियमों का उल्लंघन है। प्रतीक इंफ्रा ने यहां आलीशान अपार्टमेंट बनाए और फ्लैट बेचने का काम शुरू कर दिया।

बिना अनुमति भूमि सौदा

सूत्रों के अनुसार, हैसिंडा प्रोजेक्ट ने सेक्टर 107 में लोटस-300 परियोजना के तहत 67,941.45 वर्ग मीटर भूमि पर काम शुरू किया था। इस भूमि पर टाउनशिप बनाने का वादा करते हुए निवेशकों से करीब 636 करोड़ रुपए जुटाए गए थे। हालांकि, इसके बाद बिना अनुमति के 27,941.45 वर्ग मीटर भूमि प्रतीक इंफ्रा को 236 करोड़ रुपए में बेच दी गई। अब ईडी इस सौदे की जांच कर रहा है। प्रवर्तन निदेशालय ने प्रतीक इंफ्रा के निदेशकों प्रशांत कुमार तिवारी और प्रतीक तिवारी को समन भेजा है, जिसमें उन्हें हैसिंडा को दी गई 236 करोड़ रुपए की रकम का स्रोत बताने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, नोएडा अथॉरिटी से भूमि की खरीद-बिक्री और फ्लैट निर्माण के लिए सभी जरूरी अनुमति दस्तावेज भी प्रस्तुत करने को कहा गया है। प्रशांत तिवारी को प्रदेश कांग्रेस के एक बड़े नेता का रिश्तेदार बताया गया है, जिससे मामला और अधिक चर्चित हो गया है।

काशी के घाटों पर दीपों की जगमग

खेल मैदानों में दीपोत्सव का उल्लास

दीपों की रोशनी से नहाए बनारस के घाट

एजेंसी । वाराणसी

काशी में दीपोत्सव के अवसर पर घाटों पर सजे दीयों ने आधी रात को सितारों जैसा नजारा पेश किया। गंगा किनारे स्थानीय निवासियों ने दीप जलाकर घाटों की सुंदरता को और भी बढ़ा दिया। इसके साथ ही, सुरक्षा की दृष्टि से जिला प्रशासन मुस्तैद रहा, और भगवान गणेश और माता लक्ष्मी के पूजन की तैयारियां भी पूरे जोरों पर थीं। देर शाम शुभ मुहूर्त में पूजन का आयोजन किया गया।

खेल मैदानों में दीयों से सजी रात

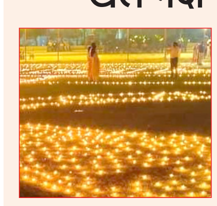

परमानंदपुर स्थित बाबू आरएन सिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 500 खिलाड़ियों ने दीपावली की पूर्व संध्या पर दीपोत्सव मनाया। विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों ने मैदान को 50 हजार दीयों और मोमबत्तियों से सजाया, रंगोली बनाई और इको-फ्रेंडली आतिशबाजी के साथ एक-दूसरे को बधाई दी। सिगरा के अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम बनने के बाद खिलाड़ियों में विशेष उत्साह देखने को मिला।बनारस में दीपावली के दिन गंगा किनारे, घाटों और घरों के आंगनों में रंग-बिरंगी रंगोलियां बनाई गईं। छोटे-छोटे बच्चे और युवाओं ने गंगा की रेती पर पारंपरिक डिजाइन बनाए, जो देर शाम दीयों की रोशनी में और भी आकर्षक दिखने लगे। धार्मिक नगरी के मंदिर भी सजावट के केंद्र बने रहे, जहां काशी विश्वनाथ धाम के भव्य रूप को देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए और तस्वीरें लेकर सोशल मीडिया पर साझा कीं।

नकल मामले में यूपी बोर्ड ने मांगी जांच रिपोर्ट

दो स्कूलों पर कार्रवाई की तैयारी

एजेंसी । आजमगढ़

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने जिले के दो विद्यालयों से जुड़े नकल के मामलों पर गंभीर रुख अपनाते हुए विस्तृत जांच रिपोर्ट मांगी है। इन विद्यालयों में छात्रों को नकल कराते हुए पकड़े जाने के बाद तत्कालीन जिला विद्यालय निरीक्षक ने इन केंद्रों को डिबार करने की संस्तुति की थी। रानी की सराय क्षेत्र के राजेंद्र स्मारक इंटर कॉलेज सेठवल में डीएलएड परीक्षा के दौरान छात्रों को नकल कराने का मामला सामने आया था। निरीक्षण के दौरान, प्रबंधक और प्रधानाचार्य समेत 13 लोगों पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। इसके साथ ही डीआईओएस ने प्रधानाचार्य सहित आठ शिक्षकों और कर्मचारियों को निलंबित किया है। जिला विद्यालय निरीक्षक ने इस परीक्षा केंद्र को डिबार करने की सिफारिश की थी, जिसके लिए बोर्ड ने विस्तृत जांच रिपोर्ट मांगी है।

दिवाली के लिए तैयार मुजफ्फरपुर का भव्य लक्ष्मी-गणेश मंदिर

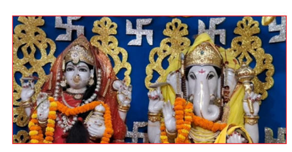

एजेंसी । मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर जिले का सबसे बड़ा लक्ष्मी-गणेश मंदिर, जो लक्ष्मी चौक, ब्रह्मपुरा में स्थित है, दिवाली के पर्व के लिए पूरी तरह सज-धज कर तैयार हो गया है। इस भव्य मंदिर में विशेष पूजन और महाश्रृंगार की व्यापक तैयारी की गई है, जिससे भक्तों में उत्साह का माहौल है। एक महीने से चल रही तैयारियों के बाद, मंदिर की सजावट को भक्तों के आकर्षण का केंद्र बनाया गया है। मंदिर में इस बार माता लक्ष्मी और गणेश जी को पांच क्विंटल लड्डू का भोग अर्पित किया जाएगा। यह भोग प्रसाद के रूप में भक्तों के बीच वितरित किया जाएगा, जो पर्व का मुख्य आकर्षण बन गया है। इस अवसर पर विशेष पूजा और हवन का आयोजन भी होगा, जिसमें कई पुरोहित शामिल होंगे। दिवाली की शाम से सुबह तक मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसे ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रशासन ने सुरक्षा और भक्तों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए हैं।

व्यापार जगत

शेयर बाजार में भारी गिरावट

एजेंसी । नई दिल्ली

गुरुवार को शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिसमें BSE सेंसेक्स और निफ्टी 50 दोनों प्रमुख इंडेक्स लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। यह गिरावट मिले-जुले वैश्विक संकेतों के चलते आई है।

सेंसेक्स और निफ्टी की स्थिति

दोपहर 1 बजे, सेंसेक्स 529.57 अंक गिरकर 79,412.61 पर आ गया, जो 0.66% की गिरावट दर्शाता है। निफ्टी 50 भी 138.05 अंक गिरकर 24,202.80 पर पहुंच गया, जिसमें 0.57% की कमी आई।

ओपनिंग बेल पर बाजार

ग्लोबल संकेतों के बीच BSE सेंसेक्स ने 9 अंकों की मामूली बढ़त के साथ 79,951.22 पर शुरुआत की, जबकि निफ्टी 50 24,311 पर 29 अंकों या 0.12% की गिरावट के साथ खुला।

नुकसान में कंपनियां

सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, और इन्फोसिस के शेयर सबसे ज्यादा नुकसान में रहे। वहीं, लार्सन एंड टुब्रो के शेयर में 5% की बढ़ोतरी हुई है, जिसका कारण जुलाई-सितंबर तिमाही में उच्च आय को बताया जा रहा है।

बाजार की भविष्यवाणी

ग्लोबल मार्केट्स में कमजोरी के चलते भारतीय शेयर बाजार में गिरावट की संभावना है। सुबह 7:03 बजे, GIFT निफ्टी फ्यूचर्स में 66.05 अंकों की गिरावट देखी गई।

अमेरिकी बाजार की स्थिति

अमेरिकी बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ, जिसमें डॉव जोन्स 0.22%, एसएंडपी 500 0.33%, और नैस्डैक कंपोजिट 0.56% नीचे रहा। बड़ी टेक कंपनियों की नई तिमाही रिपोर्ट्स को लेकर निवेशकों में चिंता बनी हुई है।

एशियाई बाजार की तस्वीर

एशियाई बाजार भी गिरावट में कारोबार कर रहे हैं। जापान का निक्केई 0.52% और चीन का CSI 300 0.90% गिर गया है।

निवेशकों का ध्यान

आज निवेशक टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन और अन्य कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजों पर नजर रखेंगे। दिवाली के मौके पर बीएसई, एनएसई और एमसीएक्स 1 नवंबर को मुहूर्त ट्रेडिंग सेशन करेंगे।

पिछली सत्र की स्थिति

पिछले सत्र में भी घरेलू बाजार में गिरावट आई थी। BSE सेंसेक्स 426.85 अंकों की गिरावट के साथ 79,942.18 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 ने 125.99 अंकों की कमी के साथ 24,340.85 पर समापन किया।

एथर एनर्जी ने अक्टूबर में बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया

20,000 से अधिक इलेक्ट्रिक स्कूटर की बिक्री

एजेंसी । नई दिल्ली

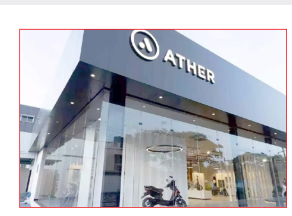

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता एथर एनर्जी ने अक्टूबर में 20,000 से अधिक वाहनों की बिक्री कर अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ मासिक प्रदर्शन दर्ज किया। कंपनी ने गुरुवार को बयान में बताया कि हाल ही में पेश किए गए स्कूटर रिज्टा की बिक्री में मुख्य भूमिका रही, जिसमें 60-70 प्रतिशत का योगदान था। कंपनी ने 30 अक्टूबर तक देश भर में 20,000 स्कूटर बेचे, जो सितंबर के आंकड़े 12,828 यूनिट्स से काफी अधिक है। इस बिक्री के साथ, एथर की राष्ट्रीय बाजार हिस्सेदारी जुलाई के 7.9 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर में 14.3 प्रतिशत हो गई। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में तेजी देखी जा रही है, और अक्टूबर में इस क्षेत्र में सालाना 70 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। इसी माह एथर एनर्जी ने 4,500 करोड़ रुपए के आईपीओ के लिए आवेदन भी किया।

एथर के पास देश भर में 231 एक्सपीरियंस सेंटर और 2,500 फास्ट चार्जिंग स्टेशन हैं। तमिलनाडु के होसुर में स्थित विनिर्माण सुविधा के साथ, कंपनी महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर में एक और संयंत्र स्थापित करने की योजना भी बना रही है, जो भारत में इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण को और मजबूती देगा।

RBI द्वारा दरों में कटौती की संभावना

आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहित करने का प्रयास

एजेंसी । नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) दिसंबर में अपनी प्रमुख नीतिगत दर में 25 आधार अंकों की कटौती कर इसे 6.25 प्रतिशत करने की संभावना जता रहा है। इस कदम का उद्देश्य आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देना है। हालांकि, सितंबर में मुद्रास्फीति 5.49 प्रतिशत पर पहुंच गई है, लेकिन आने वाले समय में इसके मध्यम रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, चालू तिमाही में मुद्रास्फीति 4.9 प्रतिशत रहने की संभावना है, जो जनवरी से मार्च की तिमाही में घटकर 4.6 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

गठन में बाधाएं

पैंथियन के अर्थशास्त्री मिगुएल चांको ने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि अन्य उभरते बाजारों की तुलना में धीमी है, जिससे मौद्रिक नीति में ढील देने में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं।

गवर्नर की टिप्पणियां

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मुद्रास्फीति और विकास के बीच संतुलन बनाए रखने की बात की है। उनका मानना है कि अगली तिमाही में मुद्रास्फीति में कमी आएगी, जिससे दरों में कटौती की गुंजाइश बन सकती है।

अर्थशास्त्रियों का सर्वेक्षण

57 अर्थशास्त्रियों के एक सर्वेक्षण में 30 ने अगली मौद्रिक नीति बैठक में 25 आधार अंकों की कटौती की उम्मीद जताई है। हालांकि, अन्य ने दरों में किसी बदलाव की संभावना को नकारा है।

स्विगी ने 11,327 करोड़ रुपए के आईपीओ की घोषणा की

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रमुख फूड डिलिवरी और क्विक कॉमर्स कंपनी स्विगी ने अपने 11,327 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की घोषणा की है। कंपनी का मानना है कि क्विक कॉमर्स उसके फूड डिलिवरी कारोबार को अगले पांच साल में पीछे छोड़ देगा। स्विगी के सह-संस्थापक एवं सीईओ श्रीहर्ष मजेटी ने कहा कि क्विक कॉमर्स का दायरा बड़ा है और यह फूड डिलिवरी बाजार की तुलना में तेजी से बढ़ रहा है। वर्तमान में क्विक कॉमर्स का कारोबार फूड डिलिवरी का 40 फीसदी है, और यह वृद्धि की एक बड़ी संभावना दर्शाता है।

आईपीओ के विवरण

स्विगी अपने आईपीओ के तहत 4,499 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी करेगी, जबकि मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 17.5 करोड़ शेयरों का ऑफर फॉर सेल (OFS) किया जाएगा। आईपीओ 6 नवंबर, 2024 को खुलेगा, और प्रति शेयर मूल्य 371 रुपए से 390 रुपए के बीच रखा गया है।

निवेश का उद्देश्य

कंपनी आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग अपने डार्क स्टोर नेटवर्क के विस्तार, प्रौद्योगिकी और क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश, और ब्रांड मार्केटिंग में करेगी। स्विगी अपने क्विक कॉमर्स कारोबार में 1,178.7 करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बना रही है। स्विगी का लक्ष्य जोमैटो जैसी कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा करना है, जिसका मौजूदा बाजार मूल्यांकन 2.2 लाख करोड़ रुपए है। मजेटी ने कहा कि स्विगी क्विक कॉमर्स श्रेणी में उपभोक्ता की जरूरतों को समझने के लिए प्रयोग जारी रखेगी। स्विगी अपने गोपनीय आईपीओ फाइलिंग के साथ पूंजी बाजार में उतरने वाली पहली भारतीय कंपनी बनेगी।

न्यूजीलैंड के साथ तीसरा और आखिरी टेस्ट आज से वानखेड़े स्टेडियम में

मेहमान टीम सीरीज मे ले चुकी 2-0 की अजेय बढ़त

टीम इंडिया के सामने सफाया बचाने की चुनौती

- 64 मैच दोनों टीमों ने अब तक खेले
- 22 भारत ने जीते, 15 हारे, 27 ड्रॉ रहे
- 02 शतक और नौ अर्धशतक अब तक सीरीज में लगे
- 01 शतक, चार अर्धशतक भारतीय बल्लेबाजों ने लगाए

दोपहर संवाददाता | मुंबई

न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार दो टेस्ट मैच में हार के साथ ही 12 साल बाद घर में सीरीज गंवाने के बाद टीम इंडिया शुक्रवार से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट में वापसी करने के लक्ष्य के साथ वानखेड़े स्टेडियम में उतरेगी। इसके अलावा मेजबान टीम के सामने सीरीज का सफाया बचाने की चुनौती भी होगी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की दावेदारी कायम रखने के मद्देनजर भी भारत के लिए सांत्वनाभरी जीत जरूरी होगी।

शर्मनाक हार मिली

पहले टेस्ट में बेंगलुरु में आठ विकेट से हारने के बाद पुणे में दूसरे टेस्ट में 113 रन से बड़ी हार से बेशक विपक्षी टीम का मनोबल सातवें आसमान पर होगा, लेकिन भारतीय टीम वापसी के लिए पूरी तरह तैयार है। हालांकि टीम के सामने 24 साल के बाद घरेलू सीरीज में सफाया बचाने की चुनौती भी होगी। भारतीय टीम को इससे पहले फरवरी-मार्च 2000 में दक्षिण अफ्रीका से दो टेस्ट की सीरीज में सफाए का सामना करना पड़ा था। उसमें पहला मैच वानखेड़े में चार विकेट से गंवाया था। टीम दूसरा टेस्ट बेंगलुरु में 71 से हारी थी। यह पहला मौका था जब भारत को सीरीज के हर टेस्ट में हार झेलनी पड़ी थी। अब उसके 24 साल के बाद टीम के सामने वही स्थिति पैदा हो गई है।

रोहित और विराट की फॉर्म से चिंता

रोहित और कोहली दोनों ही खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं और इसका असर टीम के प्रदर्शन पर पड़ा है। दोनों का बल्ला अभी खामोश है। विराट ने जहां दो मैच की चार पारियों में सिर्फ 88 रन बनाए हैं। इसमें भी एक पारी सर्वाधिक 70 रन की है। वहीं कप्तान रोहित दो मैच की चार पारियों में 62 रन ही बना सके हैं जबकि इसमें भी एक पारी 52 रन की है। टीम को दोनों पारियों में दोनों बल्लेबाजों से पुरानी फॉर्म की जरूरत होगी। इसके अलावा टीम को सरफराज खान से फिर शतकीय पारी की उम्मीद होगी। यशस्वी जायसवाल भी सीरीज में भारत को लिए अर्धशतक लगाने वाले चार बल्लेबाजों में शुमार हैं। उनके साथ ही पंत और गिल को भी योगदान देना होगा।

मुंबई में फिर फिरकी पिच की संभावना!

दोपहर संवाददाता | मुंबई

भारत भले ही पुणे की टर्निंग पिच पर हार गया हो पर यहां टीम आजमाए हुए फॉर्मूले के साथ उतर सकती है। सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार से शुरू होने वाले तीसरे और अंतिम टेस्ट के लिए टीम प्रबंधन ने एमसीए से रैंक टर्नर (ज्यादा घूमने वाली) पिच के लिए अनुरोध किया है। ऐसी पिच पहले दिन से ही स्पिनरों के लिए मददगार होती है। ऐसे में वानखेडे की पिच बल्लेबाजों के लिए और कठिन हो सकती है। यहां की लाल मिट्टी पिच पर्याप्त उछाल सुनिश्चित करेगी। यदि इस पिच पर असमान उछाल मिलती है, तो मैच जल्दी खत्म हो सकता है। वानखेडे का टर्नर पिच का इतिहास रहा है। इसी कारण यहां कई मैच जल्दी खत्म हुए हैं।

अश्विन की फिरकी का बोलबाला

भारतीय स्पिनरों ने वानखेडे में गेंदबाजी का अलग ही आनंद लिया है। वहीं रविचंद्रन अश्विन ने यहां विरोधी टीमों की नाक में दम कर रखा है। अश्विन ने 18.42 की औसत से यहां 38 विकेट लिए हैं, जो इस मैदान पर किसी भी गेंदबाज द्वारा सबसे अधिक है। वहीं रविंद्र जडेजा ने यहां अपने एक मात्र मैच में छह विकेट हासिल किए हैं।

हम पसंद की पिच नहीं बनवाते : नायर

दोपहर संवाददाता | मुंबई

भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर ने जोर देते हुए कहा है कि वे टेस्ट मैचों में अपनी जरूरत के हिसाब से पिच तैयार नहीं करवाते। साथ ही खराब फॉर्म में चल रहे दिग्गज विराट कोहली तथा कप्तान रोहित शर्मा का भी समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें वापसी के लिए और समय दिया जाना चाहिए।

फिरकी पिच नहीं बनवाई

अंतिम टेस्ट की पूर्व संध्या पर नायर ने इस बात से इनकार किया कि टीम के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए स्पिन की अनुकूल पिचें बनाई जा रही हैं। नायर ने बुधवार को कहा, क्यूरेटर ऐसा करते हैं। हमें जैसी भी पिच दी जाएगी, हम खेलते हैं (चाहे वह तेज गेंदबाजी की मददगार पिच हो या टर्न वाली पिच हो)। क्रिकेटर और एक टीम के रूप में हम उसी पर खेलते हैं जो हमें दिया जाता है। कोहली और रोहित के लिए नायर ने कहा कि उन्हें बस थोड़ा समय और समर्थन चाहिए।

वक्त की बात

नायर ने कहा कि यह कहना 'कड़ा होगा कि मौजूदा भारतीय बल्लेबाज स्पिन को पहले के बल्लेबाजों की तरह नहीं खेल पाते। उन्होंने कहा, जब आप कुछ हासिल करने की कोशिश कर रहे होते हैं तो हमेशा एक ऐसा समय आता है जब आप कुछ हद तक पिछड़ जाते हैं क्योंकि आप क्रिकेट को अलग तरीके से खेलने की कोशिश कर रहे होते हैं और खुद को आराम की स्थिति से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे होते हैं। नायर ने कहा, ऐसा समय भी आएगा जब आप इतना अच्छा प्रदर्शन नहीं करेंगे। जब भारत ने भारत में विश्व कप (फाइनल) गंवा दिया तो वह भारतीय क्रिकेट में सभी के लिए मुश्किल पल था। लेकिन फिर कुछ (आठ) महीने बाद हम विश्व चैंपियन थे। वापस आना हमेशा एक शानदार यात्रा होती है। इसी तरह कहानियां और विरासतें बनती हैं।

आ गई रिटेंशन की लिस्ट विराट सबसे महंगे भारतीय

दोपहर संवाददाता | मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल की 10 टीमों ने अपने रिटेंशन लिस्ट जारी कर दी है। 5 कप्तानों को रिलीज कर दिया है। इनमें श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत, केएल राहुल, फाफ डुप्लेसिस और सैम करन शामिल हैं। आईपीएल के फैंस के लिए आज का दिन खास था, क्योंकि अब सारी अटकलें खत्म हो गई हैं कि

कौन-कौन रिटेन होगा और किसे रिलीज किया जाएगा। कुल 46 खिलाड़ियों को रिटेन किया गया है। सबसे कम 2 खिलाड़ी पंजाब किंग्स ने रिटेन किए हैं और सबसे ज्यादा 6-6 खिलाड़ी राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स ने रिटेन किए हैं। हेनरिक क्लासेन सबसे महंगे खिलाड़ी हैं, जिनको 23 करोड़ रुपये में सनराइजर्स हैदराबाद ने रिटेन किया है।

आईपीएल 2025 से पहले रिटेन किए खिलाड़ियों की लिस्ट

- **मुंबई इंडियंस** – जसप्रीत बुमराह (18 करोड़), सूर्यकुमार यादव (16.35 करोड़), हार्दिक पांड्या (16.35 करोड़), रोहित शर्मा (16.30) और तिलक वर्मा (8 करोड़)
- **चेन्नई सुपर किंग्स** – ऋतुराज गायकवाड़ (18 करोड़), मथीसा पथिराना (13 करोड़), शिवम दुबे (12 करोड़), रविंद्र जडेजा (18 करोड़) और एमएस धोनी (4 करोड़)
- **राजस्थान रॉयल्स** – संजू सैमसन (18 करोड़), यशस्वी जायसवाल (18 करोड़), रियान पराग (14 करोड़), ध्रुव जुरेल (14 करोड़), शिमरन हेटमायर (11 करोड़) और संदीप शर्मा (4 करोड़)
- **आरसीबी** – विराट कोहली (21 करोड़), रजत पाटीदार (11 करोड़) और यश दयाल (5 करोड़)

पंजाब किंग्स – शशांक सिंह (5.50 करोड़) और प्रभसिमरन सिंह (4 करोड़)

- **दिल्ली कैपिटल्स** – अक्षर पटेल (16.5 करोड़), कुलदीप यादव (13.25 करोड़), ट्रिस्टन स्टब्स (10 करोड़) और अभिषेक पोरेल (4 करोड़)
- **लखनऊ सुपर जायंट्स** – निकोलस पूरन (21 करोड़), रवि बिश्नोई (11 करोड़), मयंक यादव (11 करोड़), आयुष बदोनी (4 करोड़) और मोहसिन खान (4 करोड़)
- **कोलकाता नाइट राइडर्स** – सुनील नारायण (12 करोड़), रिंकू सिंह (13 करोड़), आंद्रे रसेल (12 करोड़), वरुण चक्रवर्ती(12 करोड़), रमनदीप सिंह (4 करोड़) और हर्षित राणा (4 करोड़)
- **सनराइजर्स हैदराबाद** – हेनरिक क्लासेन (23 करोड़), पैट कमिंस (18 करोड़), अभिषेक शर्मा (14 करोड़), नीतीश रेड्डी (6 करोड़) और ट्रेविस हेड (14 करोड़)
- **गुजरात टाइटन्स** – शुभमन गिल (16.5 करोड़), राशिद खान (18 करोड़), साई सुदर्शन (8.5 करोड़), राहुल तेवतिया (4 करोड़) और शाहरुख खान (4 करोड़)

मुंबई के मैदानों से

सेंट स्टॉनिसलास चैंपियन

दोपहर संवाददाता | मुंबई

सेंट स्टॉनिसलास हॉय स्कूल ने फाइनल में टोटल फुटबॉल को 3-2 से पराजित करके 44वें विलिंगडन कैथोलिक जिमखाना वार्षिक रिंक फुटबॉल प्रतियोगिता के बॉयज अंडर-14 वर्ग के खिताब पर कब्जा कर लिया। निर्धारित समय तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी, उसके बाद मैच के फैसले के लिए पेनॉल्टी शूटआउट का सहारा लेना पड़ा, जिसमें विजयी टीम की ओर से क्रिस नूप, मॉयरॉन मिरान्डा और कैलिब फर्नान्डिंस के निशाने सही लगे, जबकि टोटल फुटबॉल के लिए राघव मेनन और जोविन गोम्स की गोल करने में सफल रहे।

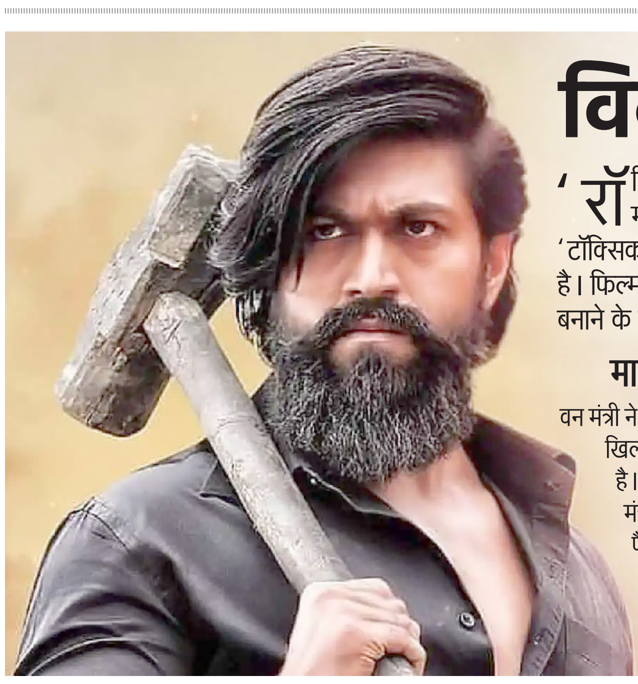

विवादों से घिरी यश की फिल्म 'टॉक्सिक'

'रॉकिंग स्टार' यश स्टारर मच अवेटेड फिल्म 'टॉक्सिक' विवादों से घिर चुकी है। फिल्म के सेट के लिए रास्ता बनाने के लिए बेंगलुरु के पीन्या-जल्लाहाली क्षेत्र में 599 एकड़ वन भूमि में कई पेड़ काट दिए गए हैं, जिस पर फिल्म की शूटिंग चल रही है। बता दें कि यह वन भूमि पीएसयू हिंदुस्तान मशीन टूल्स के कब्जे में है। वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने मंगलवार, 29 अक्टूबर को अपने शीर्ष अधिकारियों को उन लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया, जिन्होंने फिल्म की शूटिंग के लिए पेड़ों को काटने की अनुमति दी है। इस घटना के साथ ही यश की फिल्म टॉक्सिक की मुसीबतें बढ़ती नजर आ रही हैं।

मामला दर्ज करने का आदेश

वन मंत्री ने इन अधिकारियों से पेड़ों को काटने वाले लोगों के खिलाफ वन अपराध के मामले दर्ज करने को भी कहा है। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक खबर के अनुसार, मंत्री ने वन भूमि पर पेड़ों और वनस्पतियों को बड़े पैमाने पर नष्ट होते हुए पाया, जिसे यश स्टारर के सेट के निर्माण के लिए काटा गया था। वन विभाग और एचएमटी के बीच चल रहे विवाद के बीच मंत्री ने कुछ दिन पहले वन भूमि का दौरा किया था।

एचएमटी की कड़ी आलोचना

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि वन मंत्री को इस बात की जानकारी दी गई कि टॉक्सिक के लिए सेट बनाने के लिए पेड़ों और वनस्पतियों को साफ करके वन भूमि को किराए पर दिया जा रहा है। वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने वन पर्यावरण और पारिस्थितिकी के अतिरिक्त मुख्य सचिव को लिखे अपने पत्र में उल्लेख किया कि बेंगलुरु वन भूमि को पहले ही आरक्षित वन घोषित किया जा चुका है और इसे क्षेत्र को गैर-अधिसूचित किए बिना एचएमटी को आवंटित किया गया था। खंड्रे ने यश की फिल्म के निर्माताओं को वन भूमि किराए पर देने के लिए एचएमटी की कड़ी आलोचना की।

कार्तिक ने की विद्या बालन और माधुरी दीक्षित की सराहना

कार्तिक आर्यन ने मच अवेटेड फिल्म भूल भुलैया 3 में विद्या बालन और माधुरी दीक्षित जैसी बॉलीवुड की दो मशहूर एक्ट्रेसेज के साथ काम करने का मौका मिलने पर दिल से शुक्रिया अदा किया है। आर्यन ने इन आइकॉनिक व्यक्तित्वों के साथ काम करने की अपनी खुशी शेयर की और इस अनुभव को अविश्वसनीय और बेहद खास बताया।

सेट पर अनोखे माहौल को हाइलाइट करते हुए कार्तिक आर्यन ने कहा कि जितना मैं कहूंगा, उतना कम ही लगेगा। हिंदी सिनेमा के दो आइकॉनो के साथ काम करना बहुत अविश्वसनीय और खास महसूस होता है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बहुत आभारी हूं। कार्तिक आर्यन ने विद्या बालन की खुशमिजाज पर्सनैलिटी की तारीफ की।

कार्तिक आर्यन ने कहा कि विद्या मैडम हंसमुख हैं, हमेशा मजाक करती हैं और उनकी हंसी लोगों को हंसाने वाली है। जब हम दोनों सेट पर होते थे, तो हंसी का माहौल हमेशा बना रहता था। उन्होंने माधुरी दीक्षित की भी तारीफ की, उन्हें लेजेंड बुलाते हुए। एक्टर ने आगे कहा कि माधुरी मैम बहुत रिलैक्स्ड हैं। उनके पास एक शांत और कमाल की औरा है और मैं हमेशा उनके साथ सीन्स का इंतजार करता था।

माधुरी दीक्षित- द लेजेंड के साथ काम करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा था। मैं बहुत आभारी हूं। कार्तिक आर्यन फिर से रूह बाबा का रोल निभाते हुए नजर आएंगे जो सुपर हिट भूल भुलैया 2 से है। उनके साथ तृप्ति डिमरी, ओरिजिनल मंजुलिका (विद्या बालन) और उनकी पार्टनर इन क्राइम यानी माधुरी दीक्षित भी नजर आएंगी।

'बेबी जॉन' से वरुण धवन की नई झलक आई सामने

पिछले लंबे समय से अभिनेत वरुण धवन अपनी आने वाली फिल्म 'बेबी जॉन' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान एटली ने संभाली है, जिन्होंने बीते साल शाहरुख खान के साथ फिल्म 'जवान' जैसी सुपरहिट फिल्म दी थी। अब 'बेबी जॉन' ने वरुण की नई झलक सामने आ चुकी है, जिसमें उनका धांसू अवतार दिख रहा है।

आज रिलीज होगा फिल्म का टीजर

मोशन पोस्टर साझा करते हुए निर्माताओं ने बताया कि 'बेबी जॉन' का टीजर 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। 'बेबी जॉन' में वरुण की जोड़ी पहली बार वामिका गब्बी के साथ बनी है। कीर्ति सुरेश और जैकी श्रॉफ भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। 'बेबी जॉन' इस साल क्रिसमस के खास मौके पर यानी 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एटली और वरुण के बीच पहला सहयोग है।

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना ने दी फैंस को दिवाली की शुभकामनाएं

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना ने दिवाली के अवसर पर अपनी आगामी फिल्म 'पुष्पा 2: द राइज' का नया पोस्टर पोस्ट किया है। इस पोस्टर में पुष्पा राज और श्रीवल्ली का रोमांटिक अंदाज दिखाई दे रहा है। निर्माता प्रशंसकों के बीच उत्साह पैदा करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। एक्स हैंडल पर, रश्मिका ने अपने किरदार श्रीवल्ली के पहले लुक के साथ प्रशंसकों का मनोरंजन किया।

पोस्टर में रश्मिका और अल्लू अर्जुन के पति-पत्नी वाले पल को कैद किया गया है। फिल्म में पुष्पा राज की भूमिका निभाने वाले अल्लू अर्जुन को प्यार से उन्हें निहारते हुए देखा जा सकता है। पोस्टर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि पुष्पा राज और श्रीवल्ली आपको और आपके परिवार को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। 5 दिसंबर, 2024 को दुनिया भर में ग्रैंड रिलीज। पुष्पा 2: द राइज ऑन 5 दिसंबर।

अल्लू अर्जुन ने उसी पोस्टर को शेयर करते हुए अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक संदेश लिखा, जिसमें लिखा कि हैप्पी दिवाली। माइथ्री मूवी मेकर्स और मुत्तमसेट्टी मीडिया द्वारा निर्मित इस फिल्म में अल्लू, रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल पुष्पा राज, श्रीवल्ली और भंवर सिंह शेखावत के रूप में अपनी भूमिकाओं को फिर से निभाते हुए दिखाई देंगे। फिल्म के मुख्य अभिनेता अल्लू अर्जुन को पहले भाग में उनके अभिनय के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था। पुष्पा के पहले भाग में लाल चंदन की तस्करी की पृष्ठभूमि पर सत्ता संघर्ष दिखाया गया था, जिसे सुकुमार ने निर्देशित किया था। पहले यह फिल्म अगस्त में रिलीज होने वाली थी। हालांकि, जून में निर्माताओं ने 6 दिसंबर को नई रिलीज डेट तय की थी, लेकिन अब उन्होंने रिलीज को आगे बढ़ा दिया है और यह 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

दिवाली की मिठास ने दूर की खटास

LAC पर भारत और चीन के सैनिकों ने आपस में बांटी मिठाइयां

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत और चीन की सेना ने गुरुवार को दीपावली के अवसर पर एक-दूसरे को मिठाई बांटी। पूर्वी लद्दाख में हॉट स्प्रिंग्स, काराकोरम पास, दौलत बेग ओल्डी, कोंग्कला और चुशुल-मोल्डो से लगे लाइन ऑफ कंट्रोल (LOC) पर दोनों देशों के अफसरों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और दीपावली की बधाई दी।

सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया 30 अक्टूबर को पूरी

इससे पहले बॉर्डर पर देपसांग और डेमचोक में दोनों सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया 30 अक्टूबर को पूरी हुई। पेट्रोलिंग को लेकर जल्द ही ग्राउंड कमांडर के अधिकारियों के बीच बातचीत होगी। अरुणाचल के तवांग में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा– हमारी कोशिश होगी कि मामले को डिसइंगेजमेंट से आगे बढ़ाया जाए, लेकिन इसके लिए हमें थोड़ा और इंतजार करना होगा। भारत–चीन के बीच LAC पर पेट्रोलिंग को लेकर हुए समझौते पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 27 अक्टूबर को कहा था कि सैनिकों की वापसी पहला कदम है। अगला कदम तनाव कम करना है। ये तनाव तभी कम होगा, जब भारत को यकीन हो जाए कि चीन भी ऐसा ही चाह रहा है। तनाव कम करने के बाद, बॉर्डर को कैसे मैनेज किया जाए, इस पर चर्चा की जाएगी।

स्पेन में अचानक आई बाढ़ से 95 लोगों की मौत

बार्सिलोना। स्पेन के प्राधिकारियों ने बुधवार को बताया कि देश के पूर्वी हिस्से में अचानक आई बाढ़ के कारण 95 लोगों की मौत हो गईं, कई कारें बह गईं, गांवों में पानी भर गया तथा रेल लाइन एवं राजमार्ग अवरुद्ध हो गए। पूर्वी वेलेंशिया प्रांत में आपातकालीन सेवाओं ने बुधवार को 92 मृतकों की संख्या की पुष्टि की। पड़ोसी कास्तिला ला मांचा क्षेत्र में दो अन्य लोगों जबकि दक्षिणी अंदालुसिया में एक व्यक्ति की मौत की खबर है। स्पेन के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में मंगलवार को शुरू हुई मूसलाधार बारिश बुधवार को भी जारी रही, जिससे बाढ़ के हालात बदतर हो गये। रेल प्राधिकारियों ने बताया कि एक रेलगाड़ी पटरी से उतर गई जिसमें 300 लोग सवार थे। हालांकि, कोई हताहत नहीं हुआ है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा कि कई शहर बाढ़ से प्रभावित हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक का ऐलान

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 2024 के 'केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक' पुरस्कार की घोषणा कर दी है। यह सम्मान उन अधिकारियों को दिया जाता है जिन्होंने अपनी सेवा के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई है। इस बार की सूची में कई राज्यों और पुलिस इकाइयों के अधिकारियों के नाम शामिल हैं। गृह मंत्रालय द्वारा हर साल यह पदक पुलिस सेवा, केंद्रीय बलों, सुरक्षा संगठनों, खुफिया विभाग और फोरेंसिक विज्ञान में सराहनीय कार्य करने वालों को दिया जाएगा।

463 अधिकारियों को मिलेगा सम्मान

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बताया कि वर्ष 2024 के लिए विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी)/केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ)/केंद्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ) के 463 कर्मियों को 'केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक' से सम्मानित किया गया है। यह पदक उत्कृष्ट कार्य को मान्यता देने के लिए दिया जाता है।

तंवर के बदले तेवर

AAP ने BJP से हिसाब किया चुकता, स्वैप हो गए 'उम्मीदवार'

नई दिल्ली। दिल्ली में बेशक अगले साल विधानसभा तुनाव होने हैं लेकिन राजनीतिक बिसात बिछनी शुरू हो गई हैं। अपनी पार्टी से नाराज कई नेता दूसरी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। दूसरे दल इन नेताओं का गले लगाकर स्वागत कर रहे हैं। उनमें इन्हें वो संभावना नजर आ रही है जो 2025 में दिल्ली रण के लिए जरूरी है। दीवाली के दिन बीजेपी को झटका देते हुए चौधरी ब्रह्म सिंह तंवर ने आम आदमी पार्टी (आप) की सदस्यता ले ली। उन्हें खुद अरविंद केजरीवाल ने पार्टी में शामिल किया। कुछ समय पहले बीजेपी ने छतरपुर विधानसभा सीट से आप विधायक करतार सिंह तंवर को तोड़ा था। जिसका हिसाब आप ने गुरुवार को चुकता कर दिया। ब्रह्म सिंह तंवर तीन बार विधायक रह चुके हैं। वे एक बार काउंसलर (पार्षद) भी रह चुके हैं। उनका छतरपुर और महरौली इलाके में दबदबा है। उन्हें दिल्ली बीजेपी का कद्दावर नेता माना जाता था। वे पार्टी की स्थापना के समय से जुड़े थे और आपातकाल के दौरान जेल जा चुके हैं। उन्होंने 1977 में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर पहला चुनाव लड़ा और पार्षद चुने गए। माना जा रहा है कि चार महीने पहले आप छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए करतार की जगह पार्टी ब्रह्म तंवर को छतरपुर से उतार सकती है।

FARNAZ

मोदी ने 11वीं बार जवानों के बीच दीपावली मनाई

कच्छ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार 11वीं बार जवानों के साथ दिवाली मनाई। पीएम गुजरात के कच्छ पहुंचे। यहां उन्होंने BSF, आर्मी, नेवी और एयरफोर्स के जवानों को मिठाई खिलाई। पीएम 11 साल में सबसे ज्यादा 4 बार जम्मू-कश्मीर में जवानों के बीच पहुंचे। इससे पहले मोदी सरदार वल्लभभाई पटेल की 149वीं जयंती और एकता दिवस के मौके पर गुजरात के केवड़िया पहुंचे थे। PM ने कहा कि आज कोई अगर कोई कहता है कि एक हैं तो सेफ हैं तो कुछ लोग इसे गलत बताने लगते हैं। इन लोगों को देश की एकता अखर रही है।